उज्जैन
गुरुवार
03
सितम्बर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-300
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 ▸ इंदौर में पकड़ाया गुजरात का फर्जी आईएएस
7 ▸ विमेंस एशिया कप में आज भारत-हॉन्गकॉन्ग

'बिग बॉस 20' में मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी की एंट्री तय

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' का ग्रैंड प्रीमियर 6 सितंबर 2026 को होने जा रहा है। इस बार का सीजन बेहद खास माना जा रहा है क्योंकि यह हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी एक साथ स्ट्रीम होगा। मशहूर भोजपुरी स्टार और राजनेता मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी का नाम कन्फर्म कंटेस्टेंट्स की सूची में शामिल हो गया है। मनोज तिवारी और उनकी पहली पत्नी रानी तिवारी की बेटी रीति तिवारी की उम्र 25 साल है। रीति ग्लैमर इंडस्ट्री की चमक-धमक से दूर रहकर भी अपने पेशेवर जीवन में काफी बहुमुखी और सक्रिय हैं। रीति एक सफल उद्यमी, क्रिएटिव प्रोफेशनल और बिजनेस वूमन के रूप में काम संभाल रही हैं।

देश

- इंडियन एयरफोर्स ने खगांतक-243 बम का सफल ड्रॉप टेस्ट किया, 125 किलो का एमके-81 वॉरहेड लगाया गया, 180किमी की रेंज तक निशाना लगा सकती है
- पीएम मोदी की फोटो हटाने के मामले में एमएनएस कार्यकर्ता गिरफ्तार, राज ठाकरे के बेटे समेत 25 पर केस
- सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पूर्व आईएएस को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया, बाद में छोड़ा
- आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने पानी पीने पर सहमति जताई, अनशन खत्म करने से इनकार
- बिहार में गंगा खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर, 13 जिलों में बाढ़, काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा, हिमाचल में 175 सड़कें बंद
- गडकरी बोले- सभी राज्य बाइक टैक्सी को मंजूरी दें, 8 करोड़ रोजगार मिलेंगे, ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड-कैंसिल होगा
- राममंदिर के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा, चंपत राय की जगह गोविंद देव गिरि महासचिव बने

विदेश

- रूबियो बोले- भारत-ईरान के बीच ट्रेड डील पर बातचीत नहीं, तेहरान की मदद करने वालों पर बैन लगाएंगे, मोदी-पजशकियान मुलाकात पर सवाल पूछा था
- ट्रम्प के जन्मजात नागरिकता से जुड़े आदेश पर रोक, जज बोलीं- सरकार जन्म से मिली नागरिकता नहीं छीन सकती
- अमेरिका के मिनियापोलिस में अपार्टमेंट में गोलीबारी, 2 की मौत, संदिग्ध हमलावर भी मारा गया, तीन पुलिस अधिकारी घायल

व्यापार

- टॉप-10 में 7 कंपनियों का मार्केट-कैप 1.13 लाख करोड़ घटा, एयरटेल टॉप लूजर, वैल्यू 40,500 करोड़ घटी, टीसीएस की वैल्यू बढ़ी
- नीदरलैंड्स ने अमेरिका-कनाडा से 86 टन सोना हटाकर लंदन भेजा, बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा, कहा- संकट आने पर यहां आसानी से बेच सकेंगे
- सेंसेक्स में 200 अंक की बढ़त, 76,800 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 50 अंक चढ़ा, बैंकिंग और मेटल शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

कार्टून..

मध्य प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की करीब

10.99 करोड़ की खरीद पर ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की करीब 10.99 करोड़ रुपये की कंप्यूटर, प्रिंटर और यूपीएस खरीद अब आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की जांच के दायरे में है। जांच एजेंसी ने प्रथम दृष्टया आरोप लगाया है कि जेम पोर्टल पर एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करती दिखाई देने वाली चार फर्मों के पीछे एक ही व्यक्ति का नियंत्रण था। आरोप है कि आपसी मुकाबले का दिखावा कर सरकारी टेंडर हासिल किया गया और इसके बाद पुराने तथा निर्धारित गुणवत्ता से अलग उपकरणों की आपूर्ति के साथ कुछ सामान के लिए बाजार या जेम दर से कहीं अधिक भुगतान कराया गया। इसी जांच के आधार पर ईओडब्ल्यू ने 1 सितंबर 2026 को चार नामजद आरोपितों और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जेम टेंडर में चार फर्मों का आपसी मुकाबला

आवेदनों की शिकायत की जांच से सामने आया

मामला शिवम यादव और विनय रायकरवार के आवेदनों पर की गई शिकायत की जांच से सामने आया। जांच में मेसर्स साईबाबा इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, मेसर्स शांति ट्रेडर्स, मेसर्स एचटीएम इंडिया और मेसर्स सूरज इंटरप्राइजेज की भूमिका पर सवाल उठे। ईओडब्ल्यू के अनुसार इन फर्मों के दस्तावेज और संपर्क विवरण ऐसे पाए गए, जिनसे इनके बीच कारोबारी संबंधों के बजाय एक ही नियंत्रण की आशंका मजबूत हुई। जांच में शांति ट्रेडर्स के जीएसटी रिकॉर्ड में दर्ज मोबाइल नंबर साईबाबा इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के नंबर से समान पाया गया। एचटीएम इंडिया की ईमेल पहचान भी साईबाबा कंपनी के नाम से जुड़ी मिली। इतना ही नहीं, एचटीएम इंडिया ने जीएसटी में जो दूसरा कार्यालय पता दर्ज कराया था, वह साईबाबा इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के पते से ही मेल खाता था।

- जांच एजेंसी ने मोबाइल नंबर के स्वामित्व से जुड़े दस्तावेज भी खंगाले। उसके अनुसार संबंधित मोबाइल नंबर के लिए कंपनी के रिकॉर्ड में रणधीर कुमार पटेल का नाम और आधार कार्ड दर्ज मिला। यही व्यक्ति साईबाबा इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम से संबंधित बताया गया है।
- जांच का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि चारों फर्मों के केवल इसी टेंडर में साथ दिखाई देने की बात नहीं कही गई है, बल्कि जेम पोर्टल के दूसरे टेंडरों में भी इनके बार-बार एक साथ बोली लगाने की जानकारी सामने आई। जांच के मुताबिक कई मौकों पर इनके बीच बोली की दरों में मामूली अंतर रहा और ठेका बारी-बारी से इन्हीं फर्मों में से किसी एक को मिलता रहा।

दस्तावेजों ने भी जांच को नया आधार दिया

ईओडब्ल्यू की जांच में 15 अक्टूबर 2024 का एक पत्र भी महत्वपूर्ण माना गया है। शांति ट्रेडर्स ने अपने लेटरहेड पर विभाग को टेंडर से संबंधित पत्र दिया था। जांच एजेंसी के अनुसार यह दस्तावेज इस आरोप की कड़ी बनता है कि एक ही नियंत्रण वाली दूसरी फर्म ने अलग बोलीदाता के रूप में सामने आकर टेंडर प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाया। हालांकि इस आरोप का अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही सामने आएगा। सामान की आपूर्ति से जुड़े दस्तावेजों ने भी जांच को नया आधार दिया। जांच के दौरान संबंधित विनिमार्ता कंपनियों से प्राप्त जानकारी में सामने आया कि बेस्ट पावर इक्विपमेंट्स ने इस टेंडर के लिए चारों फर्मों को एक ही सामान के अलग-अलग अधिकृत पत्र दिए थे, जबकि एसर इंडिया के रिकॉर्ड में तीन फर्मों के लिए अधिकृत पत्र जारी होने की जानकारी बताई गई। इससे जांच एजेंसी ने इस बात की पड़ताल की कि जो कंपनियां टेंडर में एक-दूसरे की प्रतिद्वंद्वी थीं, वे समान सामान की बिक्री के लिए किस तरह अधिकृत थीं।

मौसम की मार से वायरल फीवर का कहर

चरक अस्पताल में पांच गुना बढ़े मरीज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

बारिश की खेंच और मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब शहरवासियों की सेहत पर साफ दिखाई देने लगा है। उमस और गर्मी के बीच वायरल फीवर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हालत यह है कि कुछ समय पहले तक चरक भवन में जहां प्रतिदिन करीब 50 मरीज बुखार की शिकायत लेकर पहुंच रहे थे, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर करीब 250 तक पहुंच गया है। चिकित्सकों के अनुसार इस बार कई मरीजों में तेज बुखार के साथ लंबे समय तक बनी रहने वाली खांसी देखने को मिल रही है।

शहर में इन दिनों दिन और रात के तापमान में उतार-चढ़ाव के साथ उमस भी बनी हुई है। बारिश पर्याप्त नहीं होने से मौसम में नमी और गर्मी का असर बना हुआ है। ऐसे वातावरण में वायरल संक्रमण तेजी से फैलने की आशंका बढ़ जाती है। चिकित्सकों के पास पहुंच रहे मरीजों में बुखार, गले में खराश, शरीर में दर्द, कमजोरी, सर्दी और खांसी जैसे लक्षण प्रमुख रूप से सामने आ रहे हैं।

पहली बार 104 डिग्री तक पहुंच रहा बुखार

चिकित्सकों के मुताबिक इस बार वायरल फीवर के कुछ मरीजों में बुखार काफी तेज देखा जा रहा है। कई मामलों में तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंचने की शिकायत सामने आई है। वहीं वायरल के साथ होने वाली खांसी भी सामान्य दिनों की तुलना में अधिक समय तक बनी रह रही है। कई मरीजों को खांसी से पूरी तरह राहत मिलने में दो सप्ताह से भी अधिक समय लग रहा है।

वायरस के स्वरूप में बदलाव की आशंका

शहर के चिकित्सकों का मानना है कि इस बार वायरल संक्रमण के स्वरूप में कुछ बदलाव महसूस हो रहा है। हालांकि वायरस में किसी नए बदलाव या नए प्रकार की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। चिकित्सकों का कहना है कि मरीजों में लक्षणों की तीव्रता और खांसी के लंबे समय तक बने रहने के कारण सावधानी जरूरी है। तेज बुखार होने पर स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सकीय सलाह लेने की बात कही जा रही है।

बुजुर्गों को फ्लू वैक्सीन की सलाह

चिकित्सकों ने विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को फ्लू से बचाव के लिए फ्लू वैक्सीन लगवाने की सलाह दी है। उनका कहना है कि टीका फ्लू के प्रभाव और गंभीरता को कम करने में मदद करता है तथा सामान्यतः करीब एक वर्ष तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके साथ ही पर्याप्त पानी पीने, भीड़भाड़ वाली जगहों पर सावधानी बरतने, हाथों की स्वच्छता बनाए रखने और बुखार-खांसी होने पर आराम करने की सलाह दी जा रही है। शहर में बढ़ते वायरल संक्रमण को देखते हुए आने वाले दिनों में स्वास्थ्य विभाग और अस्पतालों में मरीजों की संख्या पर निगरानी बढ़ाना भी जरूरी माना जा रहा है।

कार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, 3 की मौत, 9 घायल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ सोनीपत

हरियाणा के सोनीपत में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। खरखौदा के आईएमटी के पास एक ईको गाड़ी को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ईको सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 मजदूर घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने ईको में फंसे घायलों को बाहर निकाला और इलाज के लिए खरखौदा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल तीन मजदूरों को प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के बड़ेपुरा गांव के रहने वाले 12 लोग एक ठेकेदार के साथ ईको गाड़ी में सवार होकर हरियाणा के झज्जर जिले में बाजरे की कटाई के लिए जा रहे थे। सभी मजदूर रोजी-रोटी कमाने के लिए अपने घरों से निकले थे।

पाकिस्तानी फाइटर जेट गिराने वाले

अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी

प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की, 2019 एयर स्ट्राइक में पीओके में पकड़ाए थे, फिर रिहा हुए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

इंडियन एयरफोर्स के पूर्व ग्रुप कैप्टन और वीर चक्र विजेता अभिनंदन वर्तमान ने रिटायरमेंट लेकर प्राइवेट एयरलाइन जॉइन कर ली है। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अभिनंदन अगस्त में प्राइवेट एयरलाइन एफएल 91 से जुड़ गए हैं। यहां वे कॉमर्शियल यात्री विमान के पायलट होंगे। करीब दो दशक एयरफोर्स में सेवा देने के बाद यह उनके करियर की नई पारी है। अभिनंदन 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी फाइटर जेट एफ-16 गिराने के बाद सुर्खियों में आए थे। इस दौरान उनका मिग-21 मिसाइल की चपेट में आ गया और उन्हें इजेक्ट होकर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके यानी पीओके में उतरना पड़ा। पाकिस्तान ने करीब 60 घंटे हिरासत में रखने के बाद 1 मार्च 2019 को उन्हें भारत को सौंप दिया था।

पुलवामा हमले के बाद शुरू हुआ था ऑपरेशन

14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। इसके जवाब में भारत ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इसके अगले दिन कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमान एलओसी की ओर बढ़ा। उस समय अभिनंदन श्रीनगर एयरफोर्स स्टेशन पर मिग-21 बाइसन स्क्वाड्रन में तैनात थे। वह ऑपरेशनल रेडीनेस ड्यूटी पर थे।

रायसेन जेल के अंदर कैदी ने जेल प्रहरी को मारी गोली

ब्रह्मास्त्र ▸▸ रायसेन

एमपी के रायसेन जिला जेल में बुधवार की सुबह एक कैदी ने जेल प्रहरी पर फायरिंग कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। नीलेश ठाकुर नाम का आरोपी, जिस पर पहले से ही 307 और 302 के मुकदमे चल रहे हैं। उसने जेल के भीतर कट्टे से जेल प्रहरी दिग्विजय सिंह पर फायर कर दिया। यह गोली जेल प्रहरी के कमर के नीचे धंस गई. डाक्टरों ने जांच के बाद गंभीर हालत में भोपाल के एम्स अस्पताल रेफर कर दिया है।

बताया जा रहा है कि कैदी नीलेश जेल का गेट खुलवाकर भागने की फिराक में था। तभी उसने जेल प्रहरी पर गोली चला दी। यह भी बताया जा रहा है कि स्कूली बच्चों के साथ रक्षाबंधन कार्यक्रम होने वाला था। इसी कार्यक्रम के लिए फलों की टोकरी लेकर कैदी नीलेश गेट पर आया था, तभी उसने गोली चला दी। नीलेश रायसेन जिले के बरेली के पास दिमाड़ा गांव का रहने वाला है। वह विचाराधीन कैदी है। एसडीओपी प्रिभा शर्मा के बताया कि नीलेश ठाकुर का आपराधिक रिकार्ड रहा है। मामले की जांच की जा रही है। रायसेन जिला अस्पताल के चिकित्सक अभिषेक सागर के मुताबिक मरीज की पीठ के ऊपरी भाग में गोली लगी है। एक्सरे- में गोली फेफड़े के निचले भाग में नजर आ रही है।

सीएम विजय का एआई वीडियो बनाकर ठगी की कोशिश

लोगों से वॉट्सएप पर जुड़ने को कहा, पाकिस्तान से जुड़े फेसबुक अकाउंट भी मिले, एफआईआर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के एआई डीपफेक वीडियो से लोगों को ठगने की कोशिश का मामला सामने आया है। तमिलनाडु पुलिस की सीबी-सीआईडी ने 1 सितंबर को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वीडियो में विजय जैसे दिखने वाला शख्स हिंदी में लोगों से बात करते हुए आर्थिक मदद के लिए एक वॉट्सएप नंबर पर संपर्क करने को कह रहा था। इस फर्जी वीडियो को फेसबुक समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैलाकर लोगों को ठगने की कोशिश की गई। जांच में कुछ फर्जी वीडियो और सोशल मीडिया अकाउंट्स के पाकिस्तान से संचालित होने की आशंका सामने आई है।

जांच में एक नहीं, कई डीपफेक वीडियो मिले

सीबी-सीआईडी की शुरूआती जांच में विजय के नाम पर आर्थिक मदद का दावा करने वाले कई एआई डीपफेक वीडियो मिले हैं। ये अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए जा रहे थे। जांच के लिए सीबी-सीआईडी ने फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा से संपर्क किया है। पुलिस ने फर्जी अकाउंट्स और वीडियो अपलोड से जुड़े लॉग की जानकारी मांगी है।

फर्जीवाड़े पर 14 ठिकानों पर जांच, 1.03 करोड़ बरामद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ लखनऊ

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अलग-अलग टोल प्लाजा पर कथित टोल कलेक्शन फर्जीवाड़े की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय के लखनऊ जोनल कार्यालय ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 की धारा 17 के तहत उत्तर प्रदेश समेत सात राज्यों और क्षेत्रों में 14 ठिकानों पर एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ईडी के अनुसार, ये तलाशी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, जम्मू, मध्य प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और कोलकाता में स्थित परिसरों में की जा रही है। कार्रवाई का उद्देश्य टोल कलेक्शन में कथित अनियमितताओं से जुड़े डिजिटल और दस्तावेजी साक्ष्य जुटाना, लाभार्थियों की पहचान करना और अपराध से अर्जित रकम का पता लगाना है।

रूस-यूक्रेन ने ब्लैक सी में

300 जहाजों पर हमले किए

दुनिया में गेहूं-मक्का महंगा होने का खतरा

रूस का अनाज निर्यात 71% घटा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ कीव

रूस-यूक्रेन युद्ध में ब्लैक सी अब जंग का बड़ा मोर्चा बन गया है। पिछले करीब डेढ़ महीने में दोनों देशों ने 300 से ज्यादा जहाजों को निशाना बनाया है। इनमें अनाज ले जाने वाले जहाज, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक पोत शामिल हैं।लगातार हमलों से ब्लैक सी का समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है। जहाज मालिक इस रूट पर जाने से बच रहे हैं और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है। इसका असर दुनिया की खाद्य सप्लाई पर पड़ने का खतरा है। गेहूं और मक्का की कीमतों में तेजी आ सकती है। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के करीब 30% गेहूं निर्यात का हिस्सा रखते हैं। दोनों देशों का ज्यादातर अनाज ब्लैक सी के रास्ते दूसरे देशों तक पहुंचता है।

रूस का अनाज निर्यात 71% घटा

अगस्त में रूस का कुल अनाज निर्यात पिछले साल के 59 लाख टन से घटकर 17 लाख टन रह गया। यानी करीब 71% की गिरावट आई। रूस का गेहूं निर्यात भी 50 लाख टन से घटकर 13 लाख टन रह गया। रूसी गेहूं खरीदने वाले देशों की संख्या 43 से घटकर 16 रह गई है। वहीं, रूस से अनाज भेजने वाले बंदरगाहों की संख्या 47 से घटकर 10 रह गई। देश के सबसे बड़े बंदरगाह नोवोरोसिस्क से शिपमेंट 24.9 लाख टन से घटकर 10.4 लाख टन रह गया।

गेहूं 30% महंगा हुआ

बंदरगाहों और जहाजों पर हमले बढ़ने से अनाज का समुद्री कारोबार प्रभावित हुआ है। दोनों देशों के गोदामों में अनाज मौजूद है, लेकिन उसे खरीदार देशों तक पहुंचाने में मुश्किल आ रही है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दिख रहा है। गेहूं की कीमतें पिछले एक साल में करीब 30% बढ़ चुकी हैं।

इंदौर में नशीली दवाओं की बिक्री पर सख्ती

ब्रह्मास्त्र ▸▸ लंदन

प्रतिबंधित और नशे के लिए दुरुपयोग की जाने वाली दवाओं की अनधिकृत बिक्री पर अब शिकंजा कसने की तैयारी है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने नगर सीमा में चिन्हित दवाओं की बिक्री को लेकर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। इसके तहत निर्धारित दवाएं अब केवल पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी के लिखित पर्चे पर ही मेडिकल स्टोर से दी जा सकेंगी। प्रशासन का उद्देश्य ऐसी दवाओं के अनियंत्रित इस्तेमाल और उनके नशे के रूप में होने वाले दुरुपयोग को रोकना है। आदेश के दायरे में कई ऐसी दवाएं शामिल की गई हैं, जिनका चिकित्सकीय उपयोग होने के बावजूद इनके गलत इस्तेमाल की आशंका रहती है।

खबर एक नजर...

महापौर एवं मंदिर समिति की ओर से किया गया सम्मान

उज्जैन। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने झारखंड के देवघर स्थित प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान बाबा बैद्यनाथ के दर्शन एवं पूजन का लाभ प्राप्त किया। बाबा बैद्यनाथ धाम देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है और द्वादश ज्योतिर्लिंगों में शामिल है। दर्शन के पश्चात मंदिर समिति की ओर से मुख्य प्रबंधक श्री रमेश जी द्वारा महापौर श्री मुकेश टटवाल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए किए जा रहे प्रबंधों की जानकारी महापौर को दी। इसी क्रम में देवघर नगर निगम की ओर से महापौर श्री रवि कुमार रावत द्वारा भी उज्जैन के महापौर श्री मुकेश टटवाल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर दोनों महापौरों के बीच नगरीय व्यवस्थाओं, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के प्रबंधन तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

सेवानिवृत्त फार्मासिस्ट शंकर लाल सोलंकी का किया सम्मान

उज्जैन। 40 साल की बेदाग सेवा पूरी कर सेवानिवृत हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ताजपुर के फार्मासिस्ट शंकर लाल सोलंकी का सेवानिवृत्त पर न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एवं राज्य कर्मचारी संघ के जिला उपाध्यक्ष एमआर मंसूरी और न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के जिला संरक्षक केएस परमार के नेतृत्व में सम्मान किया गया। पूर्व सीएमएचओ डॉ. अशोक यादव की मौजूदगी में श्री सोलंकी को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सुरेंद्र लोदवाल, आलोक हनोतिया, जैकी खत्री और अनिल राजोरिया सहित अन्य सभी ने सोलंकी के 40 वर्षों के सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी, सम्मान किया और उनके स्वस्थ जीवन व उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गुमानदेव हनुमान गढ़ी में श्री श्याम श्रावण महोत्सव का समापन

उज्जैन। पिपलीनाका रोड स्थित अष्ट चिरंजीवी मंदिर गुमानदेव हनुमान गढ़ी में ज्योतिषाचार्य श्यामनारायण व्यास की स्मृति में एक माह से चल रहे श्री श्याम श्रावण महोत्सव का समापन ताल कचहरी की प्रस्तुति के साथ हुआ। अंतिम दिन कलाकारों ने भक्ति, संगीत और शास्त्रीय लय की प्रस्तुतियां दी। डॉ. परमानंद गंधर्व के निर्देशन में 'ताल कचहरी-तीनताल' की विशेष प्रस्तुति हुई। इसमें तीनताल के विभिन्न कायदे, पलटे, तिहाइयां, टुकड़े और लयकारी प्रस्तुत की गई। कलाकारों के बीच हुए सवाल-जवाब और जुगलबंदी के बाद सामूहिक रेला के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। ताल कचहरी में तबले पर डॉ. परमानंद गंधर्व, फुन्दालाल गंधर्व, नितिन गंधर्व व श्रेयांश भाटी, हारमोनियम पर मंगल सिंह राठौर और क्लैप बॉक्स पर प्रत्यूष गंधर्व ने संगत की। आयोजक ज्योतिषाचार्य चंदन श्यामनारायण व्यास ने बताया कि पूरे श्रावण मास में शास्त्रीय संगीत, लोकनृत्य, पखावज वादन, भजन संध्या, कथक, वायलिन व सारंगी वादन के कार्यक्रम हुए।

यूईसी एल्यूमिनी ने सीएम का माना आभार

उज्जैन। मालवा प्रौद्योगिकी एवं कौशल विश्वविद्यालय की घोषणा को उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज एल्यूमनी एसोसिएशन ने मालवा के तकनीकी विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। इस घोषणा पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. उमेश पेंढारकर से भेंट कर उन्हें बधाई दी। एसोसिएशन के अध्यक्ष इंजीनियर कोमल भूतड़ा ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना से उज्जैन सहित पूरे मालवा क्षेत्र में इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा के विकास को नई दिशा मिलेगी। यह तकनीकी शोध, नवाचार और रोजगार के क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करेगा।

राजसी ठाठ-बाट से निकली कृष्ण-सुदामा की सवारी, गार्ड ऑफ ऑनर से दी सलामी

नारायणा धाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम, जन्माष्टमी की रात होगा रामकथा का समापन और महाभंडारा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

जन्माष्टमी महोत्सव के तहत श्री कृष्ण सुदामा धाम नारायणा में मध्य प्रदेश शासन और श्री कृष्ण सुदामा उत्सव समिति के संयुक्त प्रयासों से कृष्ण-सुदामा की सवारी राजसी ठाठ-बाट से निकाली गई। पुलिस बैंड की सुमधुर धुनों के बीच गार्ड ऑफ ऑनर देकर भगवान को सलामी दी गई। इसके बाद प्रजा का हाल जानने निकले भगवान की सवारी में ग्रामीण ढोल-धमाकों के साथ नाचते-गाते शामिल हुए।

सवारी शुरू होने से पूर्व कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, पूर्व विधायक बहादुर सिंह चौहान, किसान नेता केशर सिंह पटेल, बहादुर सिंह बोरमुंडला, महेंद्र सिंह सोलंकी, विक्रम सिंह पटेल मोहनपुरा, हीरालाल आंजना, एसडीएम अजय हिंगे और एसडीओपी ने पूजा-अर्चना की। पुजारी प्रेमनारायण शर्मा, जितेंद्र शर्मा और अर्जुन शर्मा ने मंत्रोच्चार के साथ भगवान को पालकी में विराजित किया। एडवोकेट अंतर सिंह आंजना और डॉ. मोहन शर्मा ने बताया कि पूरे सवारी मार्ग पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर आरती उतारी। अयोध्या से आईं साध्वी मीरा दीदी ने भी भगवान की आरती की।

उत्सव समिति ने बताया कि महोत्सव के तहत प्रतिदिन दोपहर 12 से 3 बजे तक श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। जन्माष्टमी की रात 12 बजे कथा की पूर्णाहुति होगी और महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा।

सवारी में मुख्य रूप से केशर सिंह पटेल, बहादुर सिंह पंवार, सेवाराम आंजना, गोपीलाल आंजना, मोतीराम चौधरी, संजय आंजना, आत्माराम शर्मा, पवन गोयल, दौलतराम शर्मा, कमल आंजना, सरपंच भगवान सिंह नारायणा, सरपंच अमृत लाल देपन, भेरू सिंह आंजना, पंडित जगदीश शर्मा, संदीप बलौदा, राजेश आंजना, केशर सिंह चिरमियां, महेश सोनी, दिनेश दायमा, राहुल आंजना, अरुण मकवाना, करन आंजना, गोविंद आंजना, पवन आंजना, शंकर लाल आंजना, विकास आंजना, अशोक आंजना, अर्जुन आंजना, इंदर आंजना, गोपाल आंजना, जय आंजना, दयाराम शर्मा और पटवारी सुहागमल कुमावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

नगर निगम की टीम दिन-रात जुटी, राजसी सवारी के अनुरूप मार्ग को सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने में जुटे निगम के अधिकारी

राजसी सवारी से पहले निगम द्वारा कंठाल से सती गेट तक मार्ग को नया स्वरूप देने का कार्य जोरों पर

गुरुवार तक पेवर ब्लॉक एवं कोबल स्टोन का कार्य होगा पूर्ण, संपूर्ण मार्ग की फिनिशिंग और सफाई का लक्ष्य

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश अनुसार सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों के क्रम में शहर के प्रमुख आंतरिक मार्गों के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य नगर निगम द्वारा तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में कंठाल चौराहा से सती गेट होते हुए छत्री चौक तक लगभग 450 मीटर लंबे मार्ग का चौड़ीकरण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। लगभग 15 मीटर चौड़ाई में विकसित किए गए इस मार्ग को अब राजसी सवारी के अनुरूप अंतिम रूप देने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

7 सितंबर को निकलने वाली बाबा महाकाल की राजसी सवारी को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं कार्य एजेंसी की टीमें दिन-रात कार्य में जुटी हुई हैं। मार्ग पर शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए अतिरिक्त टीम लगाई गई है, जिससे निर्धारित समय-सीमा में सभी कार्य पूरे किए जा सकें।नगर निगम का प्रयास है कि राजसी सवारी के दौरान श्रद्धालुओं को व्यवस्थित, सुगम एवं बेहतर मार्ग उपलब्ध हो तथा बाबा महाकाल की सवारी के लिए मार्ग का स्वरूप भी भव्य एवं आकर्षक दिखाई दे।

सती गेट को मिलेगा हेरिटेज लुक, लगाए जा रहे कोबल स्टोन

सती गेट क्षेत्र को आकर्षक एवं हेरिटेज स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से दोनों ओर लगभग 25-25 मीटर, कुल 50 मीटर क्षेत्र में कोबल स्टोन लगाने का कार्य प्रारंभ किया गया है। कोबल स्टोन लगने के बाद सती गेट एवं आसपास का क्षेत्र अधिक सुंदर और ऐतिहासिक स्वरूप के अनुरूप दिखाई देगा।

कंठाल चौराहा का भी हो रहा सौंदर्यीकरण

कंठाल चौराहा को व्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप देने के लिए पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसके साथ ही चौराहे पर अंडरग्राउंड लाइट शिफ्टिंग का कार्य भी किया गया है। इससे चौराहे को तारों के जाल से मुक्ति मिलेगी और क्षेत्र का दृश्य स्वरूप और अधिक बेहतर होगा।

फिनिशिंग एवं सफाई पूर्ण करने का लक्ष्य

कार्य में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त टीम लगाई गई है। बुधवार रात से गुरुवार तक सती गेट पर कोबल स्टोन एवं कंठाल चौराहा पर पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद 4 सितंबर से संपूर्ण मार्ग पर फिनिशिंग, साफ-सफाई एवं अन्य शेष कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जाएगा।

टीम की दिन-रात मेहनत से कार्य को मिली गति

कार्य की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों एवं कार्य एजेंसी गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। निगम की टीमें दिन-रात मौके पर रहकर कार्य को गति दे रही हैं। चौड़ीकरण के साथ-साथ मार्ग के सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, पेवर ब्लॉक, कोबल स्टोन एवं सफाई जैसे कार्यों को भी प्राथमिकता से पूर्ण किया जा रहा है।

निगम द्वारा आयोजित वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

25 से अधिक नगर निगम के संसाधन रैली में हुए शामिल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

12 सितंबर 2026 शनिवार को नगर निगम के समस्त जोन कार्यालय में बकाया संपत्ति कर एवं जल कर जमा करने हेतु नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है जिसमें संपत्ति कर एवं जलकर राशि के बड़े बकायदारों को सरचार्ज अधिभार में नियमानुसार छूट प्राप्त होगी साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अंतर्गत न्यायालयीन प्रकरणों का निराकरण भी किया जाएगा, इसी क्रम में लोक अदालत के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु बुधवार को कोठी महल स्थित जिला न्यायालय परिसर से नगर निगम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित वाहन रैली को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश पीसी गुप्ता द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया रैली में 25 से अधिक नगर निगम के संसाधन शामिल हुए।

इस दौरान प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय संजीव कुमार गुप्ता, उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल, सहायक आयुक्त घनश्याम मचार, जिला विधिक सेवा अधिकारी अमित शर्मा एवं समस्त जोन के संपत्तिकर अधिकारी उपस्थित रहे।

संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है रामचरितमानस

उज्जैन। भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत रामचरितमानस और भारतीय समाज विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. हरिमोहन बुधौलिया ने कहा कि रामचरितमानस वर्तमान समाज में स्वस्थ, संतुलित, प्रेमपूर्ण और सौहार्दपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देता है। रामचरितमानस लगभग हर घर में उपलब्ध है और इसका अध्ययन जितनी बार किया जाता है, जीवन की गहराइयों व मानवीय मूल्यों को समझने का उतना ही अवसर मिलता है। इसे अपनाकर हम कठिन परिस्थितियों में भी उचित मार्ग खोज सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. डॉ. ज्योति उपाध्याय ने कहा कि रामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह पारिवारिक व्यवस्था, सामाजिक संबंधों और नैतिक उत्तरदायित्व को समझने का व्यावहारिक आधार भी है।

10 बजे तक चामुंडा चौराहा पार करने वाली झांकियों को मिलेगा 5 हजार का इनाम

समय पर फूलडोल निकालने के लिए बैरवा समाज की पहल, 22 सितंबर को निकलेगा चल समारोह

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

जल झूलनी ग्यारस पर 22 सितंबर को बैरवा समाज द्वारा निकाले जाने वाले फूलडोल चल समारोह को समय पर निकालने के लिए खास पहल की गई है। इसके तहत रात 10 बजे तक चामुंडा चौराहा पार करने वाली झांकियों को अखिल भारतीय बैरवा महासभा की प्रदेश इकाई की ओर से 5000 रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

महासभा के प्रवक्ता लालचंद भारती ने बताया कि बुधवार को किशनपुरा स्थित सकल बैरवा पंचायत में अध्यक्ष बाबूलाल गोठवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें 18 मोहल्लों के झांकी निमार्ता, अखाड़ों के खलीफा और रास मंडली के सदस्य शामिल हुए। समाजजनों ने निर्णय लिया कि सभी झांकियां और अखाड़े रात 9 बजे तक घंटाघर पहुंच जाएं और 10 बजे तक चामुंडा चौराहा पार कर लें, ताकि शहर के लोग आसानी से डोल का पूजन-अर्चन कर सकें। इस दौरान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश जारवल और शहर अध्यक्ष सुरेंद्र मरमट ने समय सीमा का पालन करने वाली झांकियों को महासभा की ओर से 5000 रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की।

बैठक में पूर्व महापौर मदनलाल ललावत, सुनील गोठवाल, प्रिंस लोदवाल, रामसहाय खलीफा, ओपी विश्वप्रेमी, सतीश मरमट, रामकृष्ण मंदिर के पुजारी महंत दीपक गिरी, राकेश गिरी, मनोज लोदवाल, दीनदयाल बड़ोदिया, महामंत्री राहुल अखंड, निखिल गोठवाल, हरीश ललावत, कमल मरमट और रितेश खलीफा सहित वरिष्ठ नागरिक व युवा उपस्थित रहे।

विक्रमादित्य विवि में दो दिवसीय कार्यशाला का समापन, कौशल संवर्धन पर भी रहेगा जोर

पीजी सिलेबस की पहली इकाई में पढ़ेंगे भारतीय ज्ञान परंपरा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भूगोल विषय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम निर्माण को लेकर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हो गया है। केंद्रीय और विश्वविद्यालय के अध्ययन मंडल के सदस्यों ने गहन मंथन के बाद स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए एक और दो वर्षीय सैद्धांतिक व प्रायोगिक पाठ्यक्रम तैयार कर विषय सामग्री को अंतिम रूप दिया। विशेष रूप से प्रत्येक पाठ्यक्रम की प्रथम इकाई में भारतीय ज्ञान परंपरा की विषयवस्तु को शामिल किया गया है।

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ. अर्पण भारद्वाज ने वर्तमान पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परंपरा और कौशल संवर्धन के समावेश पर जोर दिया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस माधव महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. गणेश राठौड़ ने बताया कि केंद्रीय अध्ययन मंडल की अध्यक्ष प्रो. कुसुम माथुर ने विमर्श के आधार पर तैयार पाठ्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। विषय विशेषज्ञ प्रो. अल्पना त्रिवेदी ने पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा की समसामयिक आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रभाकर मिश्र ने किया तथा आभार भूगोल अध्ययन मंडल के अध्यक्ष प्रो. डी.पी. चतुर्वेदी ने माना।

घर-घर स्थापित होंगे मिट्टी के गणेश

उज्जैन। नूतन कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। लोकमान्य तिलक गणेशोत्सव महाआयोजन समिति शास्त्रोक्त पूजन परंपरा को बढ़ावा देने के लिए पिछले 12 वर्षों से यह अभियान चला रही है।

अध्ययन मंडल ने एक और दो वर्षीय कोर्स को दिया अंतिम रूप

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भूगोल विषय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम निर्माण को लेकर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हो गया है। केंद्रीय और विश्वविद्यालय के अध्ययन मंडल के सदस्यों ने गहन मंथन के बाद स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए एक और दो वर्षीय सैद्धांतिक व प्रायोगिक पाठ्यक्रम तैयार कर विषय सामग्री को अंतिम रूप दिया। विशेष रूप से प्रत्येक पाठ्यक्रम की प्रथम इकाई में भारतीय ज्ञान परंपरा की विषयवस्तु को शामिल किया गया है। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए अर्पण भारद्वाज ने वर्तमान पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परंपरा और कौशल संवर्धन के समावेश पर जोर दिया। प्राध्यापक गणेश राठौड़ ने बताया कि केंद्रीय अध्ययन मंडल की अध्यक्ष कुसुम माथुर ने विमर्श के आधार पर तैयार पाठ्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

4 सितंबर को सुबह 10 बजे टॉवर चौक से यादव अहीर समाज का चल समारोह भव्य रूप से निकलेगा

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर निकलेगा भव्य चल समारोह, पालकी में बाल स्वरूप में विराजेंगे कान्हा

चल समारोह में झांकी, बैंड-बाजे, डीजे, ताशा पार्टी, अखाड़े, हाथी-घोड़े और रास दल रहेंगे आकर्षण का केंद्र

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के पावन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर उज्जैन में भव्य एवं आकर्षक आयोजन किए जा रहे है। श्री राधा कृष्ण पारमार्थिक सेवा ट्रस्ट एवं मध्यप्रदेश यादव (अहीर) समाज के संयुक्त तत्वावधान में 4 सितंबर को भव्य श्रीकृष्ण जन्माष्टमी चल समारोह निकाला जाएगा। चल समारोह में भगवान श्रीकृष्ण बाल स्वरूप में सुसज्जित पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण करेंगे। चल समारोह का शुभारंभ 4 सितंबर को सुबह 10 बजे टॉवर चौक स्थित छोटा गोपाल मंदिर से होगा। भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष के साथ प्रारंभ होने वाला यह चल समारोह शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगा। समारोह में यादव-अहीर समाज के साथ ही सनातन धर्मी सर्व समाज के श्रद्धालु एवं समाजजन शामिल होंगे।

मध्यप्रदेश यादव (अहीर) महासभा के नगर अध्यक्ष श्री नारायण यादव (दादा)ने बताया कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी चल समारोह में भगवान श्रीकृष्ण की मनोहारी झांकी के साथ बैंड-बाजे, डीजे, ताशा पार्टी, अखाड़े, हाथी-घोड़े, रास दल के सदस्य, भजन मंडली एवं नृत्य दल विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। पूरे मार्ग में भगवान श्रीकृष्ण के भजनों और जयकारों से वातावरण भक्तिमय रहेगा। आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए समाजजनों द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही है। इस वर्ष भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव पर्व बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी चल समारोह में भगवान श्रीकृष्ण बाल स्वरूप में

पालकी में विराजित होकर नगर भ्रमण करेंगे। यह आयोजन समाज के साथ-साथ सर्व समाज की सहभागिता से भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा।

नगर अध्यक्ष श्री नारायण यादव ने बताया कि चल समारोह टॉवर चौक स्थित छोटा गोपाल मंदिर से भगवान बाल गोपाल के पूजन-अर्चन के बाद प्रारंभ होकर चामुंडा माता मंदिर, देवास गेट, मालीपुरा, दौलतगंज, इंदौरगेट होते हुए हरिफाटक ब्रिज से अर्थव होटल परिसर पहुंचेगा, जहां चल समारोह का समापन होगा। समापन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया जाएगा। इसके पश्चात बच्चों के सम्मान का के साथ ही समाज जनों के लिए फलाहारी प्रसादी की व्यवस्था रहेगी।

जन्माष्टमी पर्व आयोजन की कड़ी में 6 सितंबर, रविवार को नंद उत्सव का भी भव्य आयोजन किया जाएगा। नगर अध्यक्ष श्री नारायण यादव ने बताया कि नंद उत्सव का आयोजन देवास रोड स्थित होटल आश्रय के सामने शर्मा परिसर में दोपहर 2 बजे से होगा। नंद उत्सव में भगवान श्रीकृष्ण का पालना झुलाने, छप्पन भोग अर्पण, महाआरती और भजन-कीर्तन सहित अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। समाज की बालिकाओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं प्रसंगों पर आधारित मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। साथ ही श्रीमद्भगवद्गीता के 12वें अध्याय 'भक्ति योगइ के श्लोकों का पाठन एवं व्याख्यान भी होगा। मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जो नंद उत्सव का विशेष आकर्षण रहेगा। नंद उत्सव आयोजन में समाज की महिला सदस्यों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण का आह्वान करते हुए महारास की मनोहारी प्रस्तुति दी जाएगी। धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात आरती और महाप्रसादी का आयोजन होगा। नगर अध्यक्ष श्री यादव ने यादव-अहीर समाज के सभी बंधुओं से परिवार सहित जन्माष्टमी चल समारोह और नंद उत्सव के आयोजन में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाने का आह्वान किया है।

उज्जैन
गुरुवार
03
सितम्बर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

ददाति प्रतिगृह्णाति गुह्यमाख्याति पृच्छति।
भुङ्क्ते भोजयते चैव षड्विधं प्रीतिलक्षणम्।।

अर्थः लेना, देना, खाना, खिलाना, रहस्य बताना और सुनना ये सब प्रेम के 6 लक्षण हैं।

खबर एक नजर...

नामांतरण घोटाले के बाद अब नई व्यवस्था लागू

इंदौर। इंदौर नगर निगम में हुए नामांतरण घोटाले के बाद नामांतरण प्रकरणों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अब नगर निगम ने नई व्यवस्था लागू की है। नामांतरण दाखिला के साथ आवेदक को अनिवार्य रूप से लेजर कॉपी (प्रति) भी उपलब्ध कराई जाएगी। नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल के निर्देश पर नगर पालिक निगम, इंदौर ने संपत्तियों से संबंधित नामांतरण प्रकरणों में पारदर्शिता के उद्देश्य से ये नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत नामांतरण की कार्रवाई पूरी होने के बाद संबंधित आवेदक को नामांतरण दाखिला के साथ नामांतरण बाद प्राप्त लेजर की कॉपी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। नगर निगम ने जनता से अपील भी की है कि नामांतरण दाखिला प्राप्त करते समय संबंधित आवेदक लेजर की प्रति अवश्य प्राप्त करें और उसमें दर्ज संपत्ति, संपत्तिकर खाते और नामांतरण से संबंधित विवरण का भली-भांति अवलोकन कर लें। लेजर में दर्ज विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि अथवा विसंगति पाए जाने पर आवेदक तत्काल संबंधित ऑफिस में इसकी जानकारी देकर आवश्यक सुधार करा सकते हैं।

चॉकलेट फैक्टरी में तय सीमा से 375 क्विंटल अधिक शकर मिली, जब्त

इंदौर। खाद्य विभाग की टीम ने बुधवार को पालदा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक चॉकलेट निर्माण इकाई से निर्धारित सीमा से अधिक रखी 375 क्विंटल शकर जब्त की। खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने उद्योग नगर स्थित पैपे न्यूट्रिशन का निरीक्षण किया था। टीम ने पालदा क्षेत्र के शकर डीलरों के गोदामों का भी निरीक्षण किया। आकाश एंटरप्राइजेज में 2820 क्विंटल, प्रतीक ट्रेडर्स में 2885, राज ट्रेडर्स में 2378, अशोक इंटरप्राइजेज में 2600, सार्थक इंटरप्राइजेज में 2578 आदि में शकर का स्टॉक मिला।

पहले से सील क्लिनिक में चल रहा था इलाज, बच्ची की मौत, दोबारा सील

इंदौर। खातीवाला टैंक स्थित हर्ष क्लिनिक में इलाज के बाद 10 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने सील कर दिया। बताया जा रहा है कि यह क्लिनिक पहले से सील था। इसके बावजूद यहां इलाज चल रहा था। गणेश नगर निवासी दिव्यांशी सोलंकी (10) को करीब 10 दिन से पेट दर्द था। 31 अगस्त को उसकी मां उसे हर्ष क्लिनिक लेकर पहुंची थी। यहां डॉ. श्रीचंद मांगेचा ने उसका उपचार किया। परिजन का आरोप है कि इलाज के दौरान बच्ची की हालत बिगड़ गई। अस्पताल ले जाने पर उसकी मौत हो गई। हालांकि मौत की वजह और इलाज में लापरवाही की पुष्टि जांच व मेडिकल रिपोर्ट के बाद होगी। पत्र में थाना प्रभारी से कहा गया है कि प्रकरण की गंभीरता और जनस्वास्थ्य को देखते हुए जांच पूरी होने तक क्लिनिक में किसी भी तरह की चिकित्सकीय गतिविधि नहीं हो। भविष्य में बिना वैधानिक अनुमति या वैध पंजीयन के क्लिनिक संचालित पाए जाने पर संबंधित धाराओं में कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

500 वर्गमीटर तक के भूखंड पर निर्माण की मंजूरी अब निगम से

इंदौर। इंदौर की पुरानी कॉलोनियों और पूर्व विकसित क्षेत्रों में 500 वर्गमीटर तक के भूखंड पर भवन बनाने या पुराने भवन के पुनर्निर्माण के लिए अब टीएंडसीपी के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ऐसे भूखंडों पर निर्माण की अनुमति नगर निगम ही देगा। राज्य सरकार ने इसके लिए मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम-2012 में संशोधन की प्रशासकीय स्वीकृति दे दी है। इसके बाद 500 वर्गमीटर तक के भूखंडों के लिए टीएनसीपी की अनुमति की बाध्यता खत्म हो जाएगी। इस फैसले का सीधा फायदा शहर के उन पुराने इलाकों के रहवासियों को मिलेगा, जहां वर्षों से भवन निर्माण या पुनर्निर्माण की अनुमति लेने में दिक्कत आ रही थी। इन क्षेत्रों में टीएनसीपी के पास पुराने अभिलेख, नक्शे या लेआउट उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रक्रिया अटकती थी। इंदौर में छावनी, परदेशीपुरा, मालवा मिल, खजराना, नौलखा, भंवरकुआं सहित अन्य पूर्व विकसित क्षेत्रों में भी यह व्यवस्था लागू होगी। अब ऐसे क्षेत्रों में 500 वर्गमीटर तक के भूखंड पर निर्माण की अनुमति की प्रक्रिया नगर निगम के स्तर पर ही पूरी की जा सकेगी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि वर्ष 2023 से यह व्यवस्था बंद होने से पूरा शहर इससे प्रभावित था।

राहुल गांधी का कार्यक्रम 12 की जगह अब 19 को

इंदौर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का इंदौर में होने वाला छात्रों की गूंज कार्यक्रम 12 की जगह अब 19 सितंबर को होगा। कांग्रेस ने इस आयोजन को एक सप्ताह आगे बढ़ा दिया है। बुधवार को संवाददाताओं से चर्चा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा हमें नेहरू स्टेडियम की अनुमति नहीं मिली है। नई जगह तलाशने और उसकी तैयारियों में समय लगेगा। हमने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी इस संबंध में पत्र लिखा है। यह पूरी तरह से गैर राजनीतिक कार्यक्रम हैं। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा, भाजपा सरकार को छात्रों की आवाज और उनके सवालों से डरने या घबराने के बजाय उन्हें सुनना चाहिए। लोकतंत्र में किसी भी विचार या संवाद का स्वागत किया जाना चाहिए।

जोन-18 के वार्ड-51 में हुई कार्रवाई के दौरान नगर निगम ने जेसीबी से 17 से अधिक मकान-दुकानें और कई भवनों के आंशिक हिस्से हटाए

मूसाखेड़ी चौराहे से सांवरिया धाम तक 17 बाधक निर्माण हटाए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मूसाखेड़ी चौराहे से सांवरिया धाम मंदिर तक प्रस्तावित 45 मीटर चौड़ी सड़क के बीच आ रहे बाधक निर्माण को निगम की टीम ने बुधवार को हटाया। जोन-18 के वार्ड-51 में हुई कार्रवाई के दौरान जेसीबी से 17 से अधिक मकान-दुकानें और कई भवनों के आंशिक हिस्से हटाए गए। यह सड़क इंदौर विकास योजना-2021 के तहत बनाई जा रही है। सड़क चौड़ी होने से मूसाखेड़ी चौराहे से सांवरिया धाम मंदिर के बीच आवागमन आसान होगा।

भवन अधिकारी तन्मय सिंह ने बताया सड़क निर्माण में बाधक निमार्णों के मालिकों को निगम ने पूर्व में नोटिस जारी किए थे। इसके बाद भी निर्माण नहीं हटाए जाने पर निगम की रिमूवल टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान भवन निरीक्षक पीयूष गुप्ता, सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे, निगम की रिमूवल टीम और पुलिस बल मौजूद रहा।

बाणगंगा क्षेत्र में भी कार्रवाई

बाणगंगा स्थित बादल का भट्टा रोड के चौड़ीकरण में बाधक सात मकानों के सामने किए गए अवैध निर्माण नगर निगम ने बुधवार को जेसीबी से हटाए। कार्रवाई जोन-1 के वार्ड-10 में बाणगंगा मेन रोड के पास की गई। भवन मालिकों को बाधक निर्माण स्वयं हटाने के नोटिस जारी किए गए थे। इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने पर कार्रवाई की।

कलेक्टर हूं बोलकर होटल में खाया खाना, नहीं दिया बिल

इंदौर में पकड़ाया गुजरात का फर्जी आईएएस

कार और घर पर भी लगा रखी थी नेमप्लेट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है, जो खुद को जिला कलेक्टर बताकर लोगों को गुमराह कर रहा था। आरोपी ने किराए के मकान के बाहर आईएएस राज सोनी, जिला कलेक्टर की नेमप्लेट लगाई थी। घर के अंदर सत्यमेव जयते लिखे फोटो फ्रेम के साथ खुद को अधिकारी जैसा दिखाने की कोशिश की।

पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान हिमांशु पांचाल (28) के रूप में हुई है। वह अहमदाबाद के साबरमती का रहने वाला है। इंदौर की ओमैक्स सिटी-1 स्थित शुभ आंगन प्रीमियम कॉलोनी के मकान नंबर 1565-अ में किराए से रह रहा था। उसने करीब 15 दिन पहले मकान के बाहर फर्जी नेमप्लेट लगाई थी।

पुलिस ने बताया- आरोपी इंदौर के होटल शेरेटन में खाना खाने पहुंचा। बिल चुकाने की बात आई तो उसने कहा कि उसके पास अभी पैसे नहीं हैं। उसने होटल की सर्विस बुक में राज सोनी नाम लिख दिया। कहा कि उसका पीए करीब दो घंटे में आएगा और होटल का पेमेंट कर देगा।

होटल प्रबंधन को उसकी बात पर संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। पूछताछ में आरोपी ने खुद को क्अर अधिकारी और जिला कलेक्टर बताया। पुलिस ने उससे पोस्टिंग और पहचान से जुड़े सवाल किए, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

पुलिस पूछताछ में उसकी पहचान की जांच की गई। आरोपी ने अपना असली नाम हिमांशु पांचाल बताया। पुलिस ने उसके किराए के मकान की जांच की, जहां भी फर्जी पहचान के सबूत मिले। मकान के बाहर काले रंग की नेमप्लेट लगी थी, जिस पर आईएएस राज सोनी, जिला कलेक्टर लिखा था।

घर के अंदर सत्यमेव जयते लिखा फोटो फ्रेम भी रखा था। आरोपी करीब एक महीने पहले इंदौर में रहने आया था और लगभग 15 दिन पहले मकान के बाहर फर्जी नेमप्लेट लगाई थी। हिमांशु पांचाल पहले अहमदाबाद की एक आईटी कंपनी में काम करता था। परिवार में सिर्फ उसकी मां हैं।

इंदौर पुलिस ने केस दर्ज कर गिरफ्तार किया

- होटल से मिली शिकायत और जांच के बाद इंदौर की लसूडिया पुलिस ने हिमांशु पांचाल के खिलाफ मामला दर्ज किया। उस पर बीएनएस की धारा 204 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।
- पुलिस ने बताया- आरोपी के खिलाफ गुजरात के गांधीनगर स्थित अडालज थाने में भी मामला दर्ज है। वहां 23 मई 2026 को उसके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया था। यह मामला एफआईआर नंबर 441/2026 है।
- फिलहाल पुलिस जांच कर रही है कि आरोपी ने आईएएस और जिला कलेक्टर की फर्जी पहचान क्यों बनाई थी। उसने इस पहचान के जरिए किसी से वसूली तो नहीं की। खुद को आईएएस अधिकारी बताकर किन-किन लोगों को प्रभावित किया। इस फर्जी पहचान का इस्तेमाल कहां-कहां किया।

एमबीए छात्र के खाते में

15 राज्यों में 51 बार हुई साइबर ठगी का डेढ़ करोड़ रुपया आया, गिरफ्तार

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

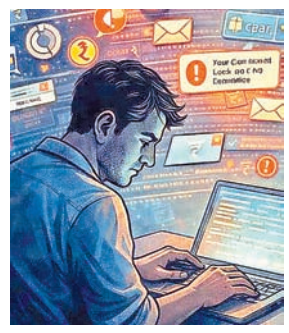

भंवरकुआं के गणेश नगर में रहने वाले एमबीए के छात्र अभिषेक तिवारी (25) को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। इसके खाते में 15 राज्यों में हुई 51 साइबर ठगी की घटनाओं का करीब डेढ़ करोड़ रुपया ट्रांसफर हुआ है। अभिषेक ने ये म्यूल खाता किसके कहने पर खुलवाया इसकी जांच की जा रही है।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया, अभिषेक डीएवीवी से पढ़ाई कर रहा है। इससे बैंक ऑफ इंडिया में म्यूल खाता खुलवाया था। इसने ठगों के लिए सक्रिय एजेंटों के माध्यम से अपनी आईडी व मोबाइल नंबर पर खाता खोलने के बाद आरोपियों को सौंप दिया था। इसके बाद ठगों ने 15 राज्यों में ठगी की और काफी रुपया इसी खाते में ट्रांसफर किया। अब पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है।

छह माह में बड़े ट्रांजेक्शन हुए, बैंक को पता नहीं चला- गरीब तबके के अभिषेक का कहना है, उसे पता ही नहीं चला कि उसके नाम से खुले खाते में मात्र 6 महीने में डेढ़ करोड़ से ज्यादा की राशि का ट्रांजेक्शन हो गया। ये ट्रांजेक्शन दिल्ली, कर्नाटक, मप्र, प. बंगाल, उत्तराखंड, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना के शहरों में हुई साइबर ठगी का था। इन राज्यों में ठगी के पीड़ितों ने जब एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायतें की थीं। जांच में सभी की शिकायतों में एक ही बैंक खाते में रुपयों का ट्रांजेक्शन होना पता चला। बड़ी बात तो यह है कि इतने रुपए सामान्य खाते में आते-जाते रहे और बैंक ने भी ट्रांजेक्शन पर कोई नोटिस नहीं लिया।

एक घंटे में दो कोबरा सांप का रेस्क्यू

एक का फन कटा मिला, साढ़े 4 फीट का कोबरा 10 मिनट में आया थैली में

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

शहर में बुधवार को करीब एक घंटे के अंतराल में दो अलग-अलग इलाकों से कोबरा सांपों का रेस्क्यू किया गया। पहला कोबरा बिचौली इलाके के एक घर में मिला। करीब ढाई फीट लंबे इस कोबरा का फन आधा कटा हुआ था। इसके कुछ देर बाद सर्पमित्र महेंद्र श्रीवास्तव को बिजलपुर के एक घर में साढ़े चार फीट लंबे कोबरा के होने की सूचना मिली।

यह जूतों की रैक के नीचे छिपा था। उसे पकड़ने में करीब 20 से 25 मिनट लगे। रेस्क्यू के दौरान कोबरा एक बार थैली में लगभग पूरी तरह जाने के बाद अचानक वापस बाहर निकल आया और फन फैलाकर खड़ा हो गया। बाद में दोनों सांपों को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया।

बिचौली इलाके के एक घर में कोबरा के होने की सूचना मिलने पर सर्पमित्र महेंद्र श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। रेस्क्यू किए गए कोबरा की लंबाई करीब ढाई फीट थी, लेकिन उसका फन आधा कटा हुआ था। सर्पमित्र के मुताबिक फन किस वजह से कटा, यह स्पष्ट नहीं है। संभावना है कि किसी दूसरे जानवर के हमले में उसका फन चोटिल हुआ हो। हालांकि फिलहाल सांप की स्थिति ठीक है और उसे कोई परेशानी नजर नहीं आई। उनके मुताबिक इस तरह की चोट के बावजूद सांप सामान्य रूप से जीवन जी सकता है।

बिचौली से रेस्क्यू करने के बाद सर्पमित्र बिजलपुर पहुंचे। यहां एक घर में साढ़े चार फीट लंबा कोबरा जूतों की रैक के नीचे छिपा मिला। बड़े आकार के इस कोबरा को पकड़ना आसान नहीं था। करीब 20 से 25 मिनट की मशक्कत के बाद उसे काबू में किया जा सका।

रेस्क्यू के दौरान कोबरा को थैली में डालने की कोशिश की गई तो वह लगभग पूरी तरह अंदर चला गया। अचानक वह पलटकर थैली से बाहर निकल आया और फन फैलाकर खड़ा हो गया। इससे मौके पर मौजूद लोग भी घबरा गए। सर्पमित्र ने सावधानी बरतते हुए उसे दोबारा पकड़ा और सुरक्षित थैली में रखा।

सेफ्टी कमेटी के चेयरमैन जस्टिस सप्रे ने पूछा

4 साल में ब्लैक स्पॉट नहीं सुधरे, आप लोग कर क्या रहे हैं?

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित रोड सेफ्टी कमेटी के चेयरमैन जस्टिस अभय मनोहर सप्रे ने बुधवार को सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन-पुलिस और अन्य एजेंसियों की क्लास ली। उन्होंने पूछा, जो ब्लैक स्पॉट 2022 में थे, वे 2023, 2024 और 2026 में भी ब्लैक ही क्यों हैं? मुझे ब्लैक स्पॉट पर अब मौत नहीं चाहिए। सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी आपकी है। यू आर आंसरेबल...। ऐसा नहीं कि साहब गए तो सब खत्म। उन्होंने कहा कि सड़कों पर अब एक भी गड्ढा नहीं चाहिए। अतिक्रमण हटाएं, सड़क इंजीनियरिंग की खामियों को दूर करें।

जस्टिस सप्रे ने जिम्मेदार विभागों से कहा कि राइट टू वॉक फंडामेंटल राइट है। इसलिए पैदल चलने वालों को फुटपाथ मिलना चाहिए। यदि सड़क पर पशुओं के कारण दुर्घटना होती है तो राज्य सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए इसे रोकने के उपाय करने होंगे। ह्यएक्सीडेंट होना बड़ी बात नहीं है... सवाल यह है कि एक्सीडेंट क्यों हो रहे हैं। इन्हें रोकने के लिए आप क्या कर रहे हैं। शहर में 16 ब्लैक स्पॉट हैं। यहां 2023 से 15 अगस्त 2026 तक कुल 127 दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 129 लोगों की मौत हुई। 2026 में 15 अगस्त तक 15 दुर्घटनाओं में 16 लोगों की मौत हुई है। इस साल राला मंडल पर 4 हादसों में 5 मौतें हो चुकी हैं। जितने बड़े होर्डिंग लगे हैं, उनकी जगह उतने बड़े साइनेज लगाए जाएं। बड़े होर्डिंग नहीं होने चाहिए, वे वाहन चालकों का ध्यान भटकाते हैं।

इस साल अब तक 411 मौतें, ओवर स्पीडिंग से 401

इस साल शहरी क्षेत्र में 15 अगस्त तक 177 व ग्रामीण में 234 लोगों की मौत (कुल 411) हो चुकी हैं। इनमें से 401 मौतें ओवर-स्पीडिंग/रैश ड्राइविंग से हुई हैं। ग्रामीण क्षेत्र में आठ माह में 953 हादसे हुए। इनमें ओवर-स्पीडिंग/रैश ड्राइविंग के 909 मामले हैं। शहरी क्षेत्र में 2,004 हादसे ओवर-स्पीडिंग के हैं। हेलमेट या सीट बेल्ट न लगाने से 86 मौतें, जो पिछले साल 79 थीं। हेलमेट या सीट बेल्ट के बाद भी 18 डेथ हुईं। पिछले साल 13 थीं। जहां संकेतक बोर्ड लगे थे, वहां इस साल अब तक 42 दुर्घटनाएं । जहां संकेतक नहीं लगे थे, वहां 127 एक्सीडेंट हुए।

---

18 घी के सैंपल में भी मिली मिलावट, दूध-दही, पनीर में भी खामी

सयाजी होटल के पनीर-पिस्ता समेत पांच सैंपल फेल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

खाद्य पदार्थों में मिलावट और गुणवत्ता को लेकर इंदौर में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई जारी है। बुधवार को सामने आई जांच रिपोर्ट में सयाजी होटल से लिए गए 8 खाद्य सैंपल में से पांच सैंपल फेल पाए गए।

इसके अलावा डुग्गू इंटरप्राइजेज और कृष इंटरप्राइजेज से लिए गए घी के सभी 16 सैंपल भी असुरक्षित मिले हैं। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित खाद्य कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने पूर्व में सयाजी होटल, इंदौर से खाद्य पदार्थों के 8 नमूने लिए थे। इनकी जांच रिपोर्ट अब प्राप्त हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पनीर, सान्या मीडियम फैट पनीर और खोपरा बूरा के नमूने अवमानक पाए गए। वहीं पिस्ता कतरन और मूंगफली दाना के नमूने असुरक्षित मिले हैं। होटल से लिए गए रोस्टेड चना दाल, बारीक सौंफ और अजवाइन कुकीज के नमूने मानक स्तर के पाए गए। इस तरह सयाजी होटल के कुल 8 नमूनों में 5 नमूने जांच में फेल हुए, जबकि 3 मानक पाए गए। डुग्गू इंटरप्राइजेज, तलावली चंदा से लिए गए घी के 9 नमूने असुरक्षित पाए गए हैं। इनमें श्रीमूल घी के 5, गौसन्त घी के 2, गूमर घी का 1 और श्री शुद्ध घी का 1 नमूना शामिल है। इसी तरह कृष इंटरप्राइजेज, लसूडिया मोरी से लिए गए वास्तु घी के सभी 7 नमूने असुरक्षित पाए गए हैं।

दूध-दही मानक, पनीर-घी में खामी

- खाद्य विभाग को अन्य प्रतिष्ठानों से लिए गए खाद्य नमूनों की जांच रिपोर्ट भी मिली है। शिव शक्ति मिल्क एंड स्वीट्स सेंटर, विजयनगर से लिए गए दूध और दही के नमूने मानक मिले, जबकि पनीर और घी के नमूने अवमानक पाए गए। श्री कृष्णा दूध दही भंडार, स्कीम नंबर 78 से लिए गए दूध का नमूना अवमानक मिला।
- मावा, घी और पनीर के नमूने मानक स्तर के पाए गए। पाटीदार दूध डेयरी, रंगवासा, राऊ से लिया गया पनीर का नमूना अवमानक पाया गया। वहीं मां अम्बे दूध दही एवं किराना, सुदामा नगर से लिए गए दूध और दही के नमूने भी अवमानक मिले।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर बार और रेस्टोरेंट में जांच- सीएम हेल्पलाइन पर मिली शिकायत के आधार पर यारी अड्डा बार का निरीक्षण किया गया। यहां से सोयाबीन तेल, पनीर, आटा और तैयार ग्रेवी के नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। इन्हें राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। इसी तरह बॉम्बे अस्पताल चौराहा, स्कीम नंबर 94 स्थित जैन रेस्टोरेंट का भी शिकायत के आधार पर निरीक्षण किया गया। यहां से तैयार कचौरी, तैयार समोसा, कचौरी मसाला, समोसा मसाला और तैयार पोहा के नमूने जांच के लिए लिए गए हैं।
इंदौर में 5 डेयरियों पर दूध की रैपिड जांच, छात्रों को दी मिलावट पहचानने की ट्रेनिंग- खाद्य सुरक्षा को लेकर खाद्य विभाग ने बुधवार को तिलक पथ क्षेत्र की पांच डेयरियों में दूध की मौके पर रैपिड जांच की। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने श्री माया डेयरी, अवंतिका दूध डेयरी, लक्ष्मी दूध डेयरी, अंबिका डेयरी फार्म और विनायक डेयरी में दूध की प्राथमिक जांच की। इस दौरान डेयरी संचालकों को दूध और दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

इंदिरा सागर बांध 2.39 मीटर खाली:इस बार अगस्त में चार गुना कम बनी बिजली

भोपाल। नर्मदा नदी के ऊपरी इलाकों में कम बारिश होने के कारण इंदिरा सागर बांध में इस बार उम्मीद के मुताबिक पानी नहीं आ पाया है। हालांकि परियोजना प्रमुख अजीत कुमार का कहना है कि मानसून सीजन अभी बाकी है और सितंबर के अंत तक बांध पूरी क्षमता से भर जाएगा। वर्तमान में बांध का जलस्तर 259.74 मीटर दर्ज किया गया है, जो इसकी कुल भराव क्षमता (262.13 मीटर) से 2.39 मीटर खाली है। यही वजह है कि 2 सितंबर तक बांध के गेट नहीं खोले जा सके हैं, जबकि बीते साल पानी की भारी आवक के कारण 27 जुलाई को ही गेट खोलने पड़े थे। इस बार अगस्त में पिछली बार के मुकाबले 4 गुना कम बिजली बनी है। हालांकि गुरुवार को बरगी बांध के गेट खुलने पर यहां पानी बढ़ सकता है।

नर्मदापुरम-छिंदवाड़ा में बारिश का रेड, 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

छतरपुर में स्कूलों की छुट्टी; डबरा में मकान की छत ढही, दो की मौत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मानसूनी बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से गुरुवार को मध्य प्रदेश के आधे हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट है। 2 जिले- नर्मदापुरम और छिंदवाड़ा में अति भारी बारिश का रेड जबकि 6 जिले- छतरपुर, सागर, रायसेन, नरसिंहपुर, सिवनी और बैतूल में ऑरेंज अलर्ट है। यहां 24 घंटे में 4 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है।

छतरपुर जिले में बारिश, नदी-नालों में उफान और संभावित बाढ़ को देखते हुए कलेक्टर मृणाल मीणा ने आज सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। छुट्टी केवल स्टूडेंट्स के लिए रहेगी। टीचर्स स्कूल में शैक्षणिक और विभागीय काम पूरे करेंगे।

इससे पहले बुधवार रात डबरा के जंगीपुरा में बारिश के दौरान दो मंजिला कच्चे मकान की छत ढह गई। परिवार के 5 सदस्य मलबे में दब गए। सीमा (33) और उसके 2 साल के बेटे आदित्य उर्फ गुन्नू की मौत हो गई। वहीं, सीमा के पति जागेंद्र (38) और दो बेटियां- वैशाली (5) और रागनी (8) गंभीर रूप से घायल हो गईं। मौसम विभाग के मुताबिक, सीहोर, आगर-मालवा, राजगढ़, गुना, विदिशा, अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, सिवनी, नरसिंहपुर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर और छतरपुर में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का अनुमान है।

कल से पश्चिमी हिस्से में पहुंचेगा सिस्टम

मौसम विशेषज्ञों की मानें तो 4 सितंबर को सिस्टम आगे बढ़ेगा। भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, सागर, नर्मदापुरम, चंबल संभाग में इसका ज्यादा असर दिखाई देगा। भोपाल, उज्जैन और ग्वालियर में भारी बारिश हो सकती है। इंदौर में तेज बारिश होने का अनुमान नहीं है। 5 सितंबर को प्रदेश के उत्तरी हिस्से में तेज बारिश हो सकती है। 6 सितंबर को ग्वालियर-चंबल संभाग में सिस्टम असर दिखाएगा। मैहर, कटनी, जबलपुर, डिंडौरी, मंडला, पांढुर्णा और बालाघाट में भारी बारिश हो सकती है। वहीं, भोपाल, रायसेन, इंदौर, धार, आलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन,

बांधों में बढ़ रहा पानी

लगातार बारिश की वजह से प्रदेश के बांधों की स्थिति सुधरी है। अधिकांश बांधों में 70 प्रतिशत तक पानी आ गया है। कुछ डैम के गेट तो खोल दिए गए हैं। हालांकि, इंदौर और उज्जैन संभाग के बांधों की स्थिति ठीक नहीं है। भोपाल के बड़ा तालाब में पानी का लेवल 1666.50 फीट तक पहुंच गया है। अब यह सिर्फ 0.30 फीट ही खाली है। बड़ा तालाब फुल भरने के बाद भदभदा डैम के गेट खुलेंगे। यहां से छोड़ा जाने वाला पानी कलियासोत डैम में पहुंचेगा और इसमें भी पानी का लेवल बढ़ जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में अब तक 714.2 मिमी यानी 28.1 इंच बारिश हो चुकी है। हालांकि, यह अब तक की सामान्य बारिश 31.5 इंच (799.9 मिमी) की तुलना में 3.4 इंच कम है। वहीं, ओवरऑल 11 प्रतिशत कम पानी गिरा है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से में 4% और पश्चिमी हिस्से में औसत से 17% बारिश कम हुई है।

शराबी चालक ने दमोह में दौड़ाया ट्रक, सकरी गली में फंसा

दमोह। दमोह में बुधवार रात शराब के नशे में एक ट्रक चालक ने शहर की सड़कों पर अफरा-तफरी मचा दी। जबलपुर से मूंग लेकर छतरपुर जा रहा ट्रक जबलपुर नाका के पास मारुताल बाईपास से शहर के अंदर घुस गया। चालक शराब के नशे में था और ट्रक को तेज रफ्तार व अनियंत्रित तरीके से चला रहा था। ट्रक को अनियंत्रित तरीके से दौड़ता देख यातायात पुलिस ने तुरंत उसका पीछा शुरू कर दिया। साथ ही शहर के अन्य यातायात और पुलिस प्वाइंटों को भी अलर्ट कर दिया गया। घंटाघर समेत कई स्थानों पर पुलिसकर्मियों ने ट्रक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक नहीं रुका। इसके बाद चालक ट्रक को मोहन टॉकीज होते हुए पुराने थाना क्षेत्र की ओर ले गया। तेज रफ्तार ट्रक को सड़क पर दौड़ता देखकर लोगों में डर का माहौल बन गया।

एक ही बिल्डिंग- जहां पोस्टर लगा, वहीं पर दुकान खुली

भोपाल में 190 प्रतिष्ठानों को बंद कराने का दावा; नोटिस के बावजूद शटर-गेट खुले

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

तस्वीर भोपाल के पॉश इलाके अरेरा कॉलोनी की है। रहवासी इलाकों में कमर्शियल एक्टिविटी का मामला सबसे पहले यहीं से सामने आया था। रहवासी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचे। फिर नगर निगम ने पहले नोटिस, बाद में सीलिंग की कार्रवाई शुरू की। दावा है कि 190 प्रतिष्ठानों को स्वैच्छा से बंद कर दिया गया।

नगर निगम ने दुकानों के बाहर एक छोटा सा बैनर चस्पाया है। इसमें लिखा है- 'भोपाल नगर निगम के आदेश अनुसार- इस भवन में व्यावसायिक गतिविधियां बंद कर दी गई हैं'। कहीं-कहीं तो एक ही बिल्डिंग में जहां पोस्टर लगा हुआ था वहीं पर बाजू की दुकान खुली मिली।

1- बिल्डिंग की दो दुकानें बंद, तीसरी खुली- ई-3 अरेरा कॉलोनी की एक तीन मंजिला बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर की इलेक्ट्रिक दुकान खुली हुई मिली।

2- शटर लगाकर कारोबार बंद की बात- दो मंजिला बिल्डिंग में टेलरिंग शॉप है। शटर पर व्यावसायिक गतिविधि बंद होने का बैनर लगा है, लेकिन केट खुला था।

3- पहले होटल थी, अब निज निवास लिखा- पांच मंजिला एक होटल को निगम ने बंद कराया। कार्रवाई के बाद होटल पर ह्यनिज निवासह्ण का पोस्टर लगा दिया। अंदर क्या हो रहा है यह देखने निगम अमला नहीं आया।

10 नंबर मार्केट में किसी को नोटिस, किसी को नहीं

नगर निगम एक महीने के अंदर 8 हजार से ज्यादा नोटिस जारी कर चुका है। पिछले 3 दिन से 24 घंटे के नोटिस दिए जा रहे हैं। इनमें स्पष्ट लिखा है कि रहवासी भवन में कमर्शियल एक्टिविटी बंद कर लें, वरना सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में कई प्रतिष्ठानों पर स्वैच्छा से बंद करने के पोस्टर-बैनर भी लगा दिए गए। इस कार्रवाई में अब भेदभाव के आरोप भी लग रहे हैं। 10 नंबर मार्केट में दो प्रतिष्ठानों को नोटिस देने के बाद बंद करा दिया गया तो पास की कई बिल्डिंग खुली हुई है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाने वाले विवेक त्रिपाठी ने बताया कि नगर निगम छोटे कारोबारियों पर ही कार्रवाई कर रहा है, जबकि बड़े कारोबारियों को नोटिस ही नहीं दिए गए हैं। ऐसे में कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी अपनी बात सबूतों के साथ रखेंगे। नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को व्यापारियों ने चार घंटे तक प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस और व्यापारियों के बीच हाथापाई की नौबत तक बन गई थी। प्रदर्शन के चलते 5 हजार से ज्यादा व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखी थी।

6.65 करोड़ से वीराने में बनाया स्वास्थ्य केंद्र

महू। गांव के जरूरतमंदों को चौखट पर इलाज मिले, इसी सोच के साथ सरकार ने महू विकासखंड में 6.65 करोड़ रुपए की लागत से नए स्वास्थ्य केंद्रों को मंजूरी दी थी। लेकिन प्लानिंग का दिवालियापन देखिए कि इन अस्पतालों का निर्माण गांव की आबादी के बीच करने के बजाय दूर-दराज के खेतों, पहाड़ियों और घने जंगलों के मुहाने पर कर दिया गया।

आलम यह है कि करोड़ों की लागत से खड़े हो रहे इन भवनों तक पहुंचने के लिए न तो पक्की सड़क है और न ही रोशनी के इंतजाम। मरीजों को ऊबड़-खाबड़, पथरीले और कीचड़ भरे रास्तों का जोखिम उठाकर इलाज कराने जाना पड़ेगा। आंबाचंदन में नया भवन आबादी से एक किमी दूर है जबकि चोरल में तीन करोड़ का पीएचसी डेढ़ किमी।

बारिश, किसानों की चिंता बरकरार

रायसेन। रायसेन में 9 दिन के बाद बुधवार दोपहर 3:30 बजे बारिश शुरू हुई। बारिश करीब एक घंटे तक कभी तेज तो कभी धीमी गति से होती रही। इसके बाद रुक-रुककर रात तक बारिश का दौर जारी रहा। गुरुवार सुबह से भी शहर में हल्की बारिश हो रही है। लंबे अंतराल के बाद हुई बारिश से मौसम सुहावना हो गया है, लेकिन किसानों की चिंता अभी भी बनी हुई है। इस साल मानसून की बारिश पिछले साल के मुकाबले काफी कम हुई है। पिछले साल अगस्त में बारिश का कोटा पूरा हो गया था और बांध-तालाब लबालब होकर छलकने लगे थे। इस बार बारिश के बीच लगातार लंबे अंतराल देखने को मिले हैं। कई बार 10 से 12 दिन और कुछ जगहों पर करीब 20 दिन तक बारिश नहीं हुई। अगस्त महीने में भी जिले में सिर्फ चार-पांच बार ही तेज बारिश हुई। इसके बाद पूरा अगस्त महीना निकल गया, लेकिन बारिश का कोटा पूरा नहीं हो पाया। अब किसानों और आम लोगों की उम्मीदें सितंबर की बारिश पर टिकी हैं।

रील बनाकर बताएंगे सरकार में बदलाव की तस्वीर

जेन-जी को दिखाएंगे 'बदले हुआ भारत', 17 सितंबर से भाजपा के नए कैंपेन की शुरूआत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

जंतर-मंतर के जेन-जी प्रोटेस्ट के बाद भाजपा का फोकस अब उसी युवा पीढ़ी की मोबाइल स्क्रीन पर है। पीएम मोदी के जन्मदिन से शुरू हो रहे सेवा संकल्प अभियान में भाजपा इन्फ्लुएंसर्स और रील्स के जरिए जेन-जी तक पहुंचने की तैयारी में है। इन्फ्लुएंसर्स को उन जगहों पर ले जाया जाएगा, जहां सरकारों के काम से बदलाव आया है। वहीं, हर शक्ति केंद्र को कम से कम 10 रील बनाने का टारगेट दिया गया है। यानी भाजपा का नया कैंपेन ग्राउंड पर बदलाव और मोबाइल पर उसकी कहानी के फॉमूर्ले पर चलेगा।

रील्स में सरकारी योजनाओं से लाभ पाने वाले वास्तविक लोगों की कहानियां दिखाई जाएंगी। कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के लाभार्थियों से संपर्क कर उनकी कहानी रिकॉर्ड करेंगे। रील में लाभार्थी का नाम, स्थान, जिला, संबंधित योजना और उससे जीवन में आए बदलाव की जानकारी भी दर्ज होगी।

खास बात यह है कि कार्यकर्ता केवल वीडियो नहीं जुटाएंगे, बल्कि खुद भी रील बनाकर अभियान में भाग लेंगे। यूट्यूब, और इंस्टाग्राम के लिए 60 सेकंड तक की रील तैयार करने और समान हैशटैग, फ्रेम व अभियान पहचान इस्तेमाल करने की योजना है।

इन्फ्लुएंसर देखेंगे बदला हुआ भारत अभियान में देश के इन्फ्लुएंसर और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को ऐसे स्थानों तक ले जाने का प्रस्ताव है, जहां पिछले वर्षों में वास्तविक बदलाव दिखाई देता है। इसका मकसद यह है कि क्रिएटर खुद मौके पर पहुंचें, स्थानीय लोगों से मिलें और वहां हुए बदलाव को अपने अनुभव के आधार पर डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों तक पहुंचाएं।

इसके लिए राज्यों से ऐसे स्थानों की सूची मांगी जाएगी जहां लोगों के जीवन, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर या अवसरों में स्पष्ट बदलाव दिखाई देता हो। सामान्य सरकारी भवन या औपचारिक कार्यक्रम स्थल इसके लिए नहीं चुने जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर पर करीब 50 प्रमुख राष्ट्रीय स्थलों का चयन प्रस्तावित है।

कहानी बदलाव की भी बनेगी डिजिटल सीरीज डिजिटल कैंपेन का एक और बड़ा हिस्सा कहानी बदलाव की है। इसके तहत सरकारी योजनाओं से सकारात्मक बदलाव का अनुभव करने वाले नागरिकों की वास्तविक कहानियां वीडियो के रूप में सामने लाई जाएंगी।

अभियान में करीब 25 लाख नागरिकों की कहानियां सामने लाने का प्रस्ताव है। इनमें से लगभग 25 हजार कहानियां शॉर्टलिस्ट और करीब 250 सबसे प्रभावशाली कहानियों को प्रोफेशनल तरीके से तैयार करने की योजना है। जिलों और राज्यों के सोशल मीडिया अकाउंट से चयनित रील्स पोस्ट की जाएंगी।

ग्राउंड पर सेवा, मोबाइल पर कहानी भाजपा के इस अभियान में परंपरागत जनभागीदारी के साथ डिजिटल माध्यम को जोड़ने की कोशिश दिखाई देती है। दीया घर तक पहुंचेगा, सेवा काम के जरिए दिखाई देगी और रील उस काम की कहानी सोशल मीडिया तक ले जाएगी। अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय युवाओं और कंटेंट क्रिएटर्स को अभियान का हिस्सा बनाने की योजना इसी डिजिटल पहुंच को मजबूत करने के लिए रखी गई है।

भोपाल की दो मल्टीलेवल पार्किंग में अब फॉस्टैग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

भोपाल शहर की दो मल्टी लेवल पार्किंग में अब आप फॉस्टैग के जरिए भी शुल्क दे सकेंगे। इसके अलावा यूपीआई एवं मोबाइल एप आधारित डिजिटल पार्किंग व्यवस्था भी रहेगी। इसी साल 9 जुलाई से शहर की 5 मल्टी लेवल पार्किंग्स में कैशलेस पार्किंग की व्यवस्था प्रारंभ करते हुए पार्किंग शुल्क का नकद भुगतान पूर्णतः प्रतिबंधित किया जा चुका है। स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था के तहत पार्किंग स्थलों के प्रवेश द्वार पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकगनेशन (एएनपीआर) कैमरा वाहन की नंबर प्लेट को स्वतः पहचानकर फॉस्टैग रीडर के माध्यम से वाहन के प्रवेश को डिजिटल रूप में दर्ज करता है। इसके बाद पार्किंग रिकॉर्ड स्वतः जनरेट हो जाता है। इसी तरह वाहन के पार्किंग स्थल के बाहर निकलते समय एएनपीआर कैमरा और फॉस्टैग आधारित सिस्टम से वाहन की पहचान की जाती है फॉस्टैग के माध्यम से डिजिटली संधारित किया जाता है। भुगतान प्रक्रिया पूर्ण होने पर वाहन बिना आवश्यक मैन्यूअल पार्किंग स्थल से बाहर निकलते हैं।

नई व्यवस्था से जल्दी आ-जा सकेंगे वाहन

नई व्यवस्था से पार्किंग स्थल पर आने वाले वाहन के प्रवेश एवं निकास की प्रक्रिया अधिक तेज और सुव्यवस्थित होती है और नागरिकों को अनावश्यक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती। पार्किंग स्थलों पर फॉस्टैग के माध्यम से भुगतान को प्राथमिकता दी जा रही है। यदि किसी कारण से किसी वाहन में फॉस्ट टैग कार्य नहीं करता तो वाहन चालक के लिए क्यूआर कोड एवं यूपीआई आधारित भुगतान की वैकल्पिक सुविधा भी उपलब्ध है।

अपहरण-हत्या का दोषी पैरोल के बाद नहीं पहुंचा जेल

जबलपुर। अपहरण और हत्या के मामले में 16 साल की सजा काट रहा कैदी पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद तय समय पर वापस नहीं लौटा। नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय जेल से 17 अगस्त को पैरोल पर छोड़े गए बंदी जाहिद उर्फ शाहिद (38) को 1 सितंबर को जेल लौटना था। उसके नहीं लौटने पर जेल कर्मचारियों ने तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद जेल विभाग ने सिविल लाइन थाने में कैदी और उसके जमानतदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। सिवनी निवासी जाहिद उर्फ शाहिद को 2 जून 2012 को कोर्ट ने अपहरण और हत्या के मामले में 16 साल की सजा सुनाई थी। उस पर 40 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया गया था। सजा के बाद से वह केंद्रीय जेल में बंद था। जेल विभाग के अनुसार जाहिद ने पैरोल के लिए आवेदन किया था। इसके बाद उसे 17 अगस्त 2026 को पैरोल पर रिहा किया गया। पैरोल की अवधि पूरी होने के बाद उसे 1 सितंबर को वापस जेल में उपस्थित होना था,

बारिश से मकान की छत ढही, मां-बेटे की मौत, पिता और दो बेटियां गंभीर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ डबरा

ग्वालियर के डबरा में बारिश के दौरान दो मंजिला कच्चे मकान की छत ढह गई। मलबे में परिवार के 5 सदस्य दब गए। इनमें से दो लोगों की मौत हो गई। 3 अस्पताल में भर्ती हैं। परिवार करीब 15 साल से किराये पर रहता था।

हादसा जंगीपुरा इलाके में बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे हुआ। आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। टीम और स्थानीय लोगों ने मिलकर मलबे में दबे लोगों को बाहर निकला और डबरा सिविल अस्पताल पहुंचाया। रास्ते में 2 साल के आदित्य रजक उर्फ गुन्नू की मौत हो गई। उसकी मां सीमा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, सीमा के पति जागेंद्र रजक (38) और बेटियां- वैशाली (5), रागनी (8) का ग्वालियर में इलाज जारी है। हादसे की जानकारी मिलने

के बाद परिजन और स्थानीय निवासी अस्पताल पहुंचे। परिजन ने अस्पतालकर्मियों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। पड़ोसी वीरू रजक ने कहा- जब सीमा को अस्पताल लाया गया था, तब उनकी सांसें चल रही थीं। बेहतर इलाज मिलता तो जान बच सकती थी। हंगामे का पता चलते ही एसडीएम नवकिरण कौर, एसडीओपी सौरभ कुमार और तहसीलदार नवीन भारद्वाज अस्पताल पहुंचे। परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी। एसडीएम कौर ने मामले की जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने परिजन को आर्थिक मुआवजा दिलाने की बात भी कही।

परिवार का मुखिया जागेंद्र रजक ग्वालियर की जूता फैक्ट्री में काम करता था। सीमा झाड़ू-पोंछे का काम करती थी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार जर्जर मकान में रह रहा था। जागेंद्र के भाई राघवेंद्र रजक ने कहा- हम दोनों भाई आसपास ही रहते हैं। जागेंद्र की दो बेटियां- नैंसी और गौरी हादसे के समय हमारे घर पर थीं, इसलिए सुरक्षित बच गईं।

मुआवजे के दावों की पोल खुली

जो गांव 25 साल पहले ही डूब गए, अफसर अब मांग रहे विस्थापितों के जीवित होने का सबूत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

सरदार सरोवर परियोजना के डूब प्रभावितों के पुनर्वास और मुआवजे के दावों की पोल खुल गई है। बड़वानी में अफसरों की हठधर्मिता के कारण विस्थापित ढाई दशकों बाद भी भटक रहे हैं। सिस्टम किस तरह जीवित लोगों को कागजों में उलझाकर परेशान कर रहा है।

प्रभावितों ने बड़वानी कलेक्टर और जीआरए (इंदौर) से कागजी पेंच बंद करने, गुजरात की खारी जमीन के पट्टे निरस्त करने और सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार 60-60 लाख का विशेष पुनर्वास अनुदान तत्काल जारी करने की मांग की है।

सनगांव के डूब प्रभावित राधेश्याम की मां के निधन के बाद

उन्हें 54 लाख रु का शेष मुआवजा (60 लाख का कुल पैकेज, 6 लाख पूर्व में मिले) मिलना है। 1986 की मार्कशीट, नपा टैक्स रसीद, रजिस्टर्ड गोदनामा और तहसीलदार का कब्जा प्रमाण पत्र होने के बावजूद जीआरए द्वारा वारिस प्रमाण पत्र मांगने पर तहसीलदार ने खाली हो चुके गांव के सचिव से रिपोर्ट लाने की शर्त रख दी। सचिव का कहना है कि जब गांव में कोई रहता ही नहीं, तो रिपोर्ट कैसे दें?

ग्राम कुकरा निवासी हिम्मत सिंह को 2001-02 में गुजरात के भरूच में जमीन आवंटित की गई थी। कब्जा न मिलने पर बड़ोदरा के सहायक आयुक्त ने 2012 में ही आवंटन निरस्त कर मप्र में पुनर्वास की सिफारिश की थी। इसके बावजूद सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार 2 हेक्टेयर जमीन के बदले मिलने वाला 60 लाख रुपये का विशेष पैकेज एनवीडीए द्वारा 'दोहरी राहत' का फर्जी हवाला देकर रोका गया है।

ग्राम कुकरा (राजघाट) के बहादुर सिंह, बाबू सिंह, कनक सिंह समेत 22 परिवारों को 2001 में गुजरात के केसरोल (भूखी खाड़ी) में समुद्र तट के पास जमीन दी गई, जहां खारे पानी से फसलें चौपट हो गईं। 2008 में ग्राम सभा द्वारा जमीन निरस्तीकरण की सिफारिश के बाद ये परिवार मप्र लौटकर मजदूरी कर रहे हैं, लेकिन इन्हें भी 60 लाख का पैकेज नहीं दिया जा रहा।

शक्ति कपूर ने भागकर की थी शादी, लता मंगेशकर के परिवार से थीं पत्नी

कई सुपरहिट फिल्मों में विलेन और कॉमेडियन का रोल प्ले करने वाले शक्ति कपूर आज 74 साल के हो गए। तकरीबन 700 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके शक्ति का एक्टिंग करियर बेहद सफल रहा। उनकी पर्सनल लाइफ की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प है।

शक्ति ने शिवांगी कोल्हापुरे से शादी की थी। दोनों की मुलाकात फिल्म किस्मत के दौरान हुई थी।

कपिल शर्मा के शो में शक्ति कपूर ने बताया था कि शिवांगी को देखकर उन्हें वह पहली नजर में ही बेहद खूबसूरत लगी थीं। उन्होंने शिवांगी से हल्की-सी लाइन भी मारी और मन ही मन तय कर लिया था कि शादी करेंगे तो इसी मराठिन से करेंगे। फिर दोनों की मुलाकात के बाद दोनों में दोस्ती हुई और फिर यह दोस्ती प्यार में बदल गई।

जब दोनों की मुलाकात हुई थी, तब शक्ति कपूर करीब 30 वर्ष के थे और शिवांगी महज 18 साल की थीं। इसके अलावा, शक्ति कपूर फिल्मों में अक्सर विलेन के रोल निभाते थे। इसी वजह से शिवांगी के माता-पिता इस रिश्ते के सख्त खिलाफ थे। जब दोनों ने शादी की बात की, तो शिवांगी के परिवार ने उन्हें कमरे में बंद कर दिया था। परिवार को मनाने के सारे रास्ते बंद होने के बाद शिवांगी ने घर से भागकर शक्ति कपूर के साथ शादी करने का फैसला किया।

साल 1982 में दोनों ने भागकर कोर्ट मैरिज कर ली। शुरूआत में शक्ति कपूर का परिवार भी थोड़ा हिचकिचा रहा था, लेकिन जब उन्हें पता चला कि शिवांगी मशहूर गायिका लता मंगेशकर के परिवार से ताल्लुक रखती हैं, तो वे मान गए।

शादी के बाद शिवांगी के माता-पिता कई सालों तक उनसे नाराज रहे। हालांकि, बड़े बेटे सिद्धांत कपूर और बाद में बेटी श्रद्धा कपूर के जन्म के बाद दोनों परिवारों के बीच की कड़वाहट खत्म हो गई। शिवांगी के माता-पिता ने भी इस रिश्ते को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया।

कपिल शर्मा के शो में शक्ति कपूर ने बताया था कि उनकी शादी के बाद अखबार में आया था कि 3 महीने में उनका तलाक हो जाएगा। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं हुआ। वहीं, शक्ति के ससुर ने उनसे आकर बोला कि तुम्हारे जैसा जमाई मैंने कहीं नहीं देखा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है। शक्ति कपूर की पत्नी शिवांगी कोल्हापुरे (अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे की बड़ी बहन) दिग्गज गायिका लता मंगेशकर की रिश्तेदार (भतीजी) हैं। बता दें कि शिवांगी कोल्हापुरे के पिता पंडित पंधारीनाथ कोल्हापुरे की मां, लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर की सौतेली बहन थीं। इस नाते शिवांगी के पिता पंधारीनाथ जी, लता मंगेशकर और आशा भोसले के चचेरे भाई लगते थे।

विक्टिम कार्ड खेलना है तो वो इसके लिए स्वतंत्र हैं

सीनियर एक्टर दर्शन जरीवाला ने अलग रह रहीं पत्नी और एक्ट्रेस अपरा मेहता के उन्हें बदसूरत कहने के आरोपों पर सफाई दी।

दरअसल, कुछ समय पहले अपरा मेहता ने दर्शन जरीवाला से सेपरेशन पर बात की थी। हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि दर्शन घर छोड़कर चले गए थे और उन्हें अब तक की सबसे बदसूरत महिला कहा था। अपरा ने यह भी कहा था कि दर्शन ने उनसे कहा था कि उनका प्यार खत्म हो गया है। अब दर्शन ने अपनी अलग रह रहीं पत्नी के इन आरोपों पर जवाब दिया है। सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में दर्शन ने अपरा की बताई घटनाओं को गलत बताया। दर्शन ने कहा, ह्लएक न्यूरोलॉजिकल घटना होती है, जिसमें समय के साथ किसी घटना की याद बदलती रहती है। मैं बहुत उदारता से कह सकता हूं कि यह गलत याददाश्त का मामला है। जिस तरह से इसे बताया गया है, वैसा कुछ हुआ ही नहीं था।

अभिनेता ने इस बात से भी इनकार किया कि उन्होंने अपरा के रूप-रंग पर कोई टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें उनके स्वभाव से मेल नहीं खातीं। दर्शन ने कहा, मैं ऐसा आदमी नहीं हूं, जो किसी साधारण दिखने वाली महिला से भी कहे कि वह बदसूरत है। ऐसा कहना बिल्कुल गैरजरूरी होता। अगर मैं खुद को अच्छी तरह जानता हूं, तो मैं व्यक्ति के अंदर की बात करता, उसके बाहरी रूप की नहीं।ह्व

दर्शन ने कहा कि अपरा विक्टिम कार्ड खेलने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह अपने अतीत से आगे बढ़ चुके हैं और आज अपनी जिंदगी में बहुत खुश हैं।

दर्शन बोले-इतने साल बाद अब ये बातें क्यों?

दर्शन ने सवाल उठाया कि सेपरेशन के कई दशक बाद ये आरोप अब क्यों सामने आए। उन्होंने कहा, मैं समझ ही नहीं सकता कि अलग होने के 23 साल बाद वह इन बातों पर क्यों बोलना चाहती हैं। इससे पहले कभी नहीं। अगर यही इतिहास है और उन्हें इसे मीडिया तक ले जाने का मौका मिला था, तो अब क्यों? उन्होंने आगे कहा, हम उनके दिमाग में बैठकर उनकी नीयत का फैसला नहीं कर सकते। मैं अपना सच जानता हूं। मेरा सच मेरा सच है। झूठ की कोई सीमा नहीं होती। मैं उनकी मंशा का अंदाजा भी नहीं लगा सकता। दर्शन ने कहा, जो लोग मुझे सच में जानते हैं, वे पूरी कहानी अच्छी तरह जानते हैं, क्योंकि मेरी बात कभी नहीं बदलती। सच के कई वर्जन नहीं होते। दर्शन के मुताबिक, 1982 में शादी के बाद धीरे-धीरे दोनों की प्राथमिकताएं और सोच अलग होती गईं। उन्होंने कहा कि निजी हालात, करियर और आर्थिक स्थिति में बदलाव ने भी रिश्ते में दरार की वजह बनाई। एक्टर ने कहा, दो लोग समय के साथ अलग तरह से बढ़ते हैं। अगर आप दो पौधे साथ लगाते हैं, तो वे अलग-अलग तरह से बढ़ेंगे। उनकी प्राथमिकताएं अलग थीं और मेरी अलग। उन्होंने कहा, मेरे हालात बदल गए थे, क्योंकि मैं एक फेल बिजनेस प्लान में शामिल था। हम अपने करियर को किस तरह आगे ले जाना चाहते थे, इस पर भी हमारी सोच अलग थी।

उस रिश्ते ने खुद से प्यार करना सिखाया, पेरेंट्स अब शादी के लिए दबाव नहीं डालते

हर्षिता गौर का दिल टूटा, दो साल बाद संभलीं

इंटरव्यू

हर्षिता गौर ने एक्टिंग की शुरूआत टीवी से की और मिर्जापुर से उन्हें अलग पहचान मिली। इंटरव्यू में उन्होंने पहली कमाई, माता-पिता के सपोर्ट और आने वाले प्रोजेक्ट्स समेत कई बातें साझा कीं। उनकी मां डॉक्टर होने के साथ 9 साल तक थिएटर भी कर चुकी हैं। बचपन में हर्षिता ने एक्टर बनने का सपना देखा था, लेकिन माता-पिता को उम्मीद थी कि यह सपना कुछ समय बाद खत्म हो जाएगा। उन्होंने मुंबई में अपने 12 साल पुराने घर को खरीदने की कोशिश का भी जिक्र किया। इसके अलावा उन्होंने सपनों के राजकुमार, दिल टूटने और खुद को प्यार करना सीखने पर भी बात की।

करीब 7-8 साल की रही होंगी, जब मैंने मां से कहा था कि मुझे टीवी पर आना है। बचपन में ज्यादा फिल्में नहीं देखती थी, लेकिन 4 साल की उम्र से कथक सीख रही थी और स्टेज पर परफॉर्म करती थी। जब लोग मेरी तारीफ करते थे और मिलने आते थे, तो शायद वहीं से एक्टर बनने का ख्याल आया।

आपकी मां भी थिएटर करती थीं?

हां, मेरी मां डॉक्टर हैं, लेकिन उन्होंने पंजाब में करीब 9 साल तक थिएटर भी किया था। बचपन में मुझे पता नहीं था कि वह थिएटर एक्टर रही हैं। जब मैं थोड़ी बड़ी हुई, तब उन्होंने बताया। मुझे लगता है कि एक्टिंग का कीड़ा शायद उन्हीं से आया है।

शुरूआत में उन्हें लगा कि मैं कुछ समय बाद भूल जाऊंगी। लेकिन यह सपना कभी खत्म नहीं हुआ। 10वीं के बाद मेडिकल या नॉन-मेडिकल चुनना था, तब मैंने पापा से कहा कि मुझसे डॉक्टर नहीं बना जाएगा, मुझे एक्टर बनना है। उन्होंने फिर भी कहा कि नॉन-मेडिकल या इंजीनियरिंग कर लो।

फिर इंजीनियरिंग करने का फैसला कैसे हुआ?

मुझे एक्टिंग ही करनी थी। उस समय ग्रेजुएशन के कोर्स नहीं थे, इसलिए ग्रेजुएशन करनी ही थी। मैंने सोचा कि जब करनी ही है तो कुछ भी कर लेते हैं, इसलिए इंजीनियरिंग कर ली। मैं मजाक में कहती हूं कि मैं इंजीनियरिंग से एक्टिंग में नहीं आई, बल्कि इंजीनियरिंग एक्टिंग के रास्ते में आई थी।

एक्टिंग के लिए मुंबई आने से नहीं रोका?

मेरे पापा ने कभी मुझे कोशिश करने से नहीं रोका। वह खुद गांव से आकर डॉक्टर बने थे, इसलिए शायद समझते थे कि अपने रास्ते पर कोशिश करना जरूरी है। कॉलेज के दौरान मैं दिल्ली में छोटे-मोटे शूट करती थी। एक बार सिर्फ ऑडिशन देने के लिए चार दिन की छुट्टी में मुंबई आई थी।

आपकी पहली कमाई कितनी थी और उससे क्या किया था?

मेरी पहली कमाई 1000 थी। एक ऐड के लिए करीब 12 घंटे शूट किया था और मुझे 1000 मिले थे। मुझे नहीं लगता कि मैंने उससे कुछ खास किया था। बस घर जाकर बताया था कि ये तो शुरूआत है।

कमाई कितनी बढ़ी?

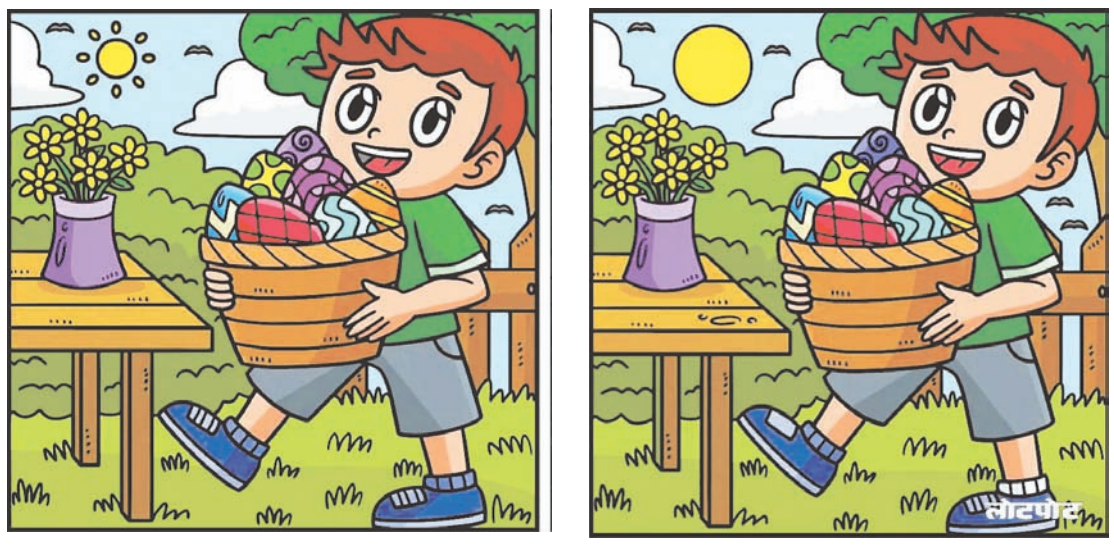

शुरूआत में ज्यादा पैसे नहीं मिलते थे, क्योंकि आप नए होते हैं। लेकिन जैसे-जैसे शो चलता गया और हिट हुआ, कमाई धीरे-धीरे बढ़ती गई। मैंने तीन साल शो किया और बाद में मेरी फीस भी बढ़ी। हालांकि, टीवी में लोग जितना कमाते हैं, उसके मुकाबले मैंने बहुत ज्यादा नहीं कमाया।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...

रंग भरकर चित्र बनाओ

जोक्स

टीचर- टिटू बताओ..
अकबर ने कब तक
शासन किया था ?
टिटू- सर जी..
पेज नंबर 14 से लेकर
पेज नंबर 22 तक..।

संता - सुबह-सुबह पड़ोसन बोल
रही थी कि मेरे पेट में चूहे दौड़ रहे हैं...
बंता - तो फिर तुमने क्या किया...?
संता - मैंने उसे चूहे मारने
की दवा खिला दी...

वर्ग पहेली

बाएं से दाएं

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुएं पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान, नीरव-3
9. प्रेम, प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट, मायानगरी-3,2
15. सूर्य, भास्कर-2
16. उपनदी, कैनाल-3
18. व्यंग्य, परिहास-3
19. कौर, ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल, असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा, रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरूर, नशा, गरूर-2
3. चिंतन, विचारना-3
4. परजन भावना, गैरपन-5
5. भिड़ना, मुठभेड़-4
7. रेखा, लाइन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा, हद, बॉर्डर-4
14. शाखा, डाली-3
17. रिवाज, परंपरा-4
18. पाबंदी, रोक-3
21. स्वच्छ-2

माथा पच्ची

50		2		75		10	=	35
	■		■		■		■	
20		5		50		2	=	25
	■		■		■		■	
30		30		1		30	=	30
	■		■		■		■	
50		25		5		2	=	60
=	■	=	■	=	■	=	■	=
50		12		30		21	=	30 / 20

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

शब्दजाल में 'स' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढ़िए. शब्द ऊपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

सफलता, सरकार, सजा, सचेत, सजग, सरफरोश, सल्तनत, सड़क, सत्ताधीश, सताना

अष्टयोग

	6		1		3	4
2	33		34		30	
3	5	4		7		2
	36		32		23	6
7		5		3		
	36		34	4	31	
1		3		5		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

माथा पच्ची का हल

99	+	99	-	99	-	49	=	50
-	■	-	■	+	■	-	■	-
50	-	40	x	5	-	25	=	25
+	■	-	■	-	■	+	■	+
20	+	4	+	45	-	20	=	30
-	■	+	■	-	■	-	■	-
30	x	3	-	50	+	10	=	50
=	■	=	■	=	■	=	■	=
39	+	58	+	9	-	34	=	

अष्टयोग का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	33	1	36	6	27	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	30	1	26	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

शब्दजाल का हल

सूडोकू नवताल-

* * * * *
कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

पूर्व सैनिक को कर्नाटक डिप्टी सीएम से मिलने से रोका, आत्महत्या की कोशिश

कर्नाटक। कर्नाटक में कारगिल युद्ध में शामिल रहे पूर्व सैनिक शिवानंद रेड्डी ने 29 अगस्त को आत्महत्या की कोशिश की। वह 24 साल से लंबित जमीन आवंटन के मामले में डिप्टी सीएम जी. परमेश्वर से मिलने बेंगलुरु पहुंचे थे। रेड्डी का आरोप है कि सरकार ने उन्हें जमीन देने का वादा किया था, लेकिन अब तक मामला आगे नहीं बढ़ा। वह इस बारे में डिप्टी सीएम से मदद मांगना चाहते थे। हालांकि, पुलिस ने उन्हें मिलने से रोक दिया। इसके बाद उन्होंने आत्महत्या की कोशिश की। फिलहाल रेड्डी का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पूर्व सैनिक से रिश्वत मांगने का आरोप रेड्डी के मुताबिक, जमीन के लिए लंबे समय से इंतजार करने के बाद 2022 में राजस्व विभाग के अधिकारियों ने उनसे काम आगे बढ़ाने के लिए 10 लाख रुपए रिश्वत मांगी। उन्होंने इसकी शिकायत लोकायुक्त से की। इसके बाद लोकायुक्त ने कार्रवाई करते हुए 3 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें दो सरकारी कर्मचारी थे। रेड्डी का आरोप है कि इस कार्रवाई के बाद अधिकारियों ने उनका मामला और लटका दिया। उन्होंने कई बार शिकायत और आवेदन दिए, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ।

अमेरिका के मिनियापोलिस में अपार्टमेंट में गोलीबारी, 2 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के मिनियापोलिस में बुधवार दोपहर एक अपार्टमेंट में गोलीबारी हुई। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गोली चलाने वाला संदिग्ध भी मारा गया है। घटना में 3 पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं, जिनमें 2 को गोली लगी है। तीनों अधिकारियों की हालत स्थिर है। पुलिस को स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब 4:30 बजे बिल्डिंग में गोली चलने की सूचना मिली थी। इसके करीब 3 मिनट बाद पुलिसकर्मी बिल्डिंग में दाखिल हुए, जहां उन्हें पीड़ित मिले। पुलिस ने गोलियों की आवाज का पीछा करते हुए ऊपरी मंजिल तक पहुंचकर कार्रवाई की। मिनियापोलिस पुलिस के सार्जेंट गैरेट पार्टेन के मुताबिक, एक पीड़ित की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने के बाद दम तोड़ दिया। संदिग्ध की मौत कैसे हुई, यह तुरंत साफ नहीं हो सका। हेनेपिन काउंटी मेडिकल सेंटर ने बताया कि अस्पताल में 7 मरीज लाए गए थे। हालांकि, अस्पताल ने घायलों की स्थिति के बारे में अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

2 दिन बाद अमेरिका का ईरान पर फिर मिसाइल हमला, 19 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका ने 2 दिन बाद फिर ईरान पर हमला किया है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार रात सिरिक, खुजस्तान, केशम द्वीप और बंदर अब्बास में मिसाइल और ड्रोन स्ट्राइक की। ईरान के अनुसार इन हमलों में 19 लोगों की मौत हुई है, जबकि 68 लोग घायल हुए हैं। ईरान का दावा है कि सिरिक में एक शादी समारोह के दौरान मिसाइल गिरने से 5 लोगों की जान गई, जिनमें 4 साल का एक बच्चा भी शामिल है। वहीं खुजस्तान प्रांत में हुए हमले में 7 लोगों की मौत और 8 लोग घायल हुए। अमेरिका का कहना है कि उसने केवल ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हमलों के जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर स्ट्राइक करने का दावा किया है। इससे पहले 30 अगस्त को अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थित लारक द्वीप पर दो ईरानी रॉकेट लॉन्चरों पर हवाई हमला किया था।

रूस-यूक्रेन ने ब्लैक सी में 300 जहाजों पर हमले किए

कीव। रूस-यूक्रेन युद्ध में ब्लैक सी अब जंग का बड़ा मोर्चा बन गया है। पिछले करीब डेढ़ महीने में दोनों देशों ने 300 से ज्यादा जहाजों को निशाना बनाया है। इनमें अनाज ले जाने वाले जहाज, तेल टैंकर और दूसरे मालवाहक पोत शामिल हैं।लगातार हमलों से ब्लैक सी का समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है। जहाज मालिक इस रूट पर जाने से बच रहे हैं और माल ढुलाई की लागत बढ़ रही है। इसका असर दुनिया की खाद्य सप्लाई पर पड़ने का खतरा है। गेहूं और मक्का की कीमतों में तेजी आ सकती है। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के करीब 30% गेहूं निर्यात का हिस्सा रखते हैं। दोनों देशों का ज्यादातर अनाज ब्लैक सी के रास्ते दूसरे देशों तक पहुंचता है। अगस्त में रूस का कुल अनाज निर्यात पिछले साल के 59 लाख टन से घटकर 17 लाख टन रह गया। यानी करीब 71% की गिरावट आई। रूस का गेहूं निर्यात भी 50 लाख टन से घटकर 13 लाख टन रह गया। रूसी गेहूं खरीदने वाले देशों की संख्या 43 से घटकर 16 रह गई है। वहीं, रूस से अनाज भेजने वाले बंदरगाहों की संख्या 47 से घटकर 10 रह गई। देश के सबसे बड़े बंदरगाह नोवोरोसिस्क से शिपमेंट 24.9 लाख टन से घटकर 10.4 लाख टन रह गया। बंदरगाहों और जहाजों पर हमले बढ़ने से अनाज का समुद्री कारोबार प्रभावित हुआ है। दोनों देशों के गोदामों में अनाज मौजूद है, लेकिन उसे खरीदार देशों तक पहुंचाने में मुश्किल आ रही है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दिख रहा है। गेहूं की कीमतें पिछले एक साल में करीब 30% बढ़ चुकी हैं।

भारत ने पाकिस्तान में हिंदू मंदिर गिराने की निंदा की

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 100 साल से ज्यादा पुराने एक हिंदू मंदिर को गिराए जाने की कड़ी निंदा की है। यह मंदिर लाहौर से करीब 130 किलोमीटर दूर नारोवाल जिले के सिराज गांव में था। मंदिर को 21 अगस्त को गिराए जाने की खबर सामने आई थी। हिंदू समुदाय के प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंदिर को जानबूझकर गिराया गया, ताकि उसकी जमीन या आसपास की जमीन का इस्तेमाल मदरसा बनाने के लिए किया जा सके। वहीं, पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि भारी बारिश के कारण मंदिर की इमारत अपने आप गिर गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने इस घटना की खबरों को गंभीर चिंता के साथ देखा है। उन्होंने पाकिस्तान के सिराज गांव में ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को नष्ट किए जाने की निंदा की।

बिहार में गंगा नदी खतरे के निशान से 2 फीट ऊपर

13 जिलों में बाढ़; काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा, हिमाचल में 175 सड़कें बंद

ब्रह्मास्त्र ›› नई दिल्ली

बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं।

हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं। पंजाब और चंडीगढ़ में कई जगह बारिश होने से लोगों को गर्मी व उमस से थोड़ी राहत मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज से 5 सितंबर तक कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है। इस संबंधी यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं चंडीगढ़ में आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। बिहार में मानसून काफी मजबूत स्थिति में है। प्रदेश के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज भी 12 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मानसूनी बारिश के स्ट्रॉन्ग सिस्टम की वजह से गुरुवार को मध्य प्रदेश के आधे हिस्से में भारी बारिश का अलर्ट है। 2 जिले- नर्मदापुरम और छिंदवाड़ा में अति भारी बारिश का रेड जबकि 6 जिले- छतरपुर, सागर, रायसेन, नरसिंहपुर, सिवनी और बैतूल में ऑरेंज अलर्ट है।

पाकिस्तानी फाइटर जेट गिराने वाले अभिनंदन ने एयरफोर्स छोड़ी, प्राइवेट एयरलाइन जॉइन की

ब्रह्मास्त्र ›› नई दिल्ली

इंडियन एयरफोर्स के पूर्व ग्रुप कैप्टन और वीर चक्र विजेता अभिनंदन वर्तमान ने रिटायरमेंट लेकर प्राइवेट एयरलाइन जॉइन कर ली है। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने 31 मार्च 2026 को वायुसेना छोड़ी।

इसके बाद अगस्त में क्षेत्रीय एयरलाइन एफएल 91 से जुड़ गए। यहां अभिनंदन की भूमिका कमर्शियल यात्री विमान के पायलट की होगी। करीब दो दशक एयरफोर्स में सेवा देने के बाद यह उनके करियर की नई पारी है। अभिनंदन 27 फरवरी 2019 को पाकिस्तानी फाइटर जेट एफ-16 गिराने के बाद सुर्खियों में आए थे। इस दौरान उनका मिग-21 मिसाइल की चपेट में आ गया और उन्हें इजेक्ट होकर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में उतरना पड़ा। पाकिस्तान ने करीब 60 घंटे हिरासत में रखने के बाद 1 मार्च 2019 को उन्हें भारत को सौंप दिया था।

पुलवामा हमले के बाद शुरू हुआ था ऑपरेशन

14 फरवरी 2019 को पुलवामा में उफ्छ्र के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। इसके जवाब में भारत ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इसके अगले दिन पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों का एक बड़ा दल एलओसी की ओर बढ़ा। उस समय अभिनंदन श्रीनगर एयरफोर्स स्टेशन पर मिग-21 बाइसन स्क्वाड्रन में तैनात थे। वह ऑपरेशनल रेडीनेस ड्यूटी पर थे। पाकिस्तानी विमानों का पता चलने के करीब पांच मिनट बाद अभिनंदन को उन्हें रोकने के लिए भेजा गया। आधिकारिक प्रशस्ति-पत्र के मुताबिक, उन्होंने पीछे हट रहे एक दुश्मन विमान का पीछा किया और हवाई लड़ाई में उसे मार गिराया। हवाई लड़ाई के दौरान पाकिस्तानी विमान ने कई बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दागीं। इनमें से एक मिसाइल अभिनंदन के विमान से टकराई। विमान को नुकसान पहुंचने के बाद अभिनंदन ने इजेक्ट किया। वह पैराशूट से पाकिस्तान के इलाके में उतरे, जहां उन्हें पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पकड़ लिया। हालांकि, 1 मार्च 2019 को अभिनंदन पाकिस्तान से सुरक्षित भारत लौट आए थे।

बहादुरी के लिए अभिनंदन को वीर चक्र मिला

इस कार्रवाई के लिए अभिनंदन को वीर चक्र से सम्मानित किया गया। वीर चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद तीसरा सबसे बड़ा युद्धकालीन वीरता पुरस्कार है। भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित प्रशस्ति-पत्र के मुताबिक, अभिनंदन ने पाकिस्तानी विमानों की संख्या और तकनीकी बढ़त के बावजूद उनका साहस के साथ मुकाबला किया।

ठगी के 100 से ज्यादा मामले

गैंग ठग रही महंगे मोबाइल, गरीबों को लालच देकर बनाते हैं शिकार

ब्रह्मास्त्र ›› बड़ौदा

गुजरात के पाटण और बनासकांठा के राधनपुर, समी, सांतलपुर और भाभर समेत कई इलाकों में एक संगठित गैंग महंगे मोबाइल ठगने का स्कैम चला रही है। पाटण-बनासकांठा में पिछले दो महीनों में इस तरीके से 100 से ज्यादा मोबाइल ठगने की बात सामने आई है।

इस घोटाले को लेकर राधनपुर मोबाइल एसोसिएशन और पीड़ित व्यापारियों ने पुलिस में लिखित शिकायत दी है। इन ठगों के काम करने का तरीका ऐसा है कि आम व्यापारी इनके झांसे में आ जाते हैं और जब तक उन्हें ठगे जाने का पता चलता है, ये स्कैमर मोबाइल बेचकर गायब हो जाते हैं।

इसमें ठग सीधे-साधे लोगों के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर-के या उन्हें पैसों का लालच देकर महंगे मोबाइल फोन ईएमआई पर खरीदवाते हैं और फिर फोन लेकर गायब हो जाते हैं। लोन की पूरी किस्त और कानूनी देनदारी दस्तावेज देने वाले व्यक्ति पर आ जाती है।

व्यापारी हार्दिक ठक्कर ने जून में बेचे गए 11 मोबाइल फोन की किस्तें जमा नहीं होने पर जांच की। ग्राहकों के घर गए तो पता चला उनके पास फोन थे ही नहीं। उन्हें 5 हजार रु. देकर उनके नाम पर मोबाइल लिए गए थे।

जब पर बेचे गए फोन की ईएमआई जमा नहीं होने के कारण फाइनेंस कंपनियों और बैंकों का दबाव व्यापारियों पर बढ़ने लगा और उनका पैसा फंस गया तो वे पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस जांच में जुटी है।

लोन पर लिए फोन में होता है लॉक करने का सिस्टम

लोन पर फोन खरीदते समय फोन में फाइनेंस कंपनी की डिवाइस एडमिन सिक्योरिटी एप इंस्टॉल किया जाता है। यह एप फोन के आईएमईआई नंबर से लिंक होता है। किस्तों का भुगतान नहीं होता तो एप के सर्वर से सिग्नल भेजकर मोबाइल की सिस्टम एक्सेस लॉक कर दी जाती है। ठग किसी दूसरी दुकान के नाम से नकली बिल तैयार करके फोन अपडेट करवा लेते थे।

सभी राज्य बाइक टैक्सी को मंजूरी दें, 8 करोड़ रोजगार मिलेंगे- गडकरी

ब्रह्मास्त्र ›› नई दिल्ली

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी को मंजूरी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर से यात्रियों को ले जाने की सुविधा से खासकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के बड़े अवसर मिलेंगे। इससे करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है।

गडकरी ने बताया कि केंद्र ने बाइक टैक्सी की अनुमति दे दी है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कुछ राज्यों में अभी इसकी मंजूरी नहीं है। उन्होंने राज्यों से इसे मंजूरी देने की अपील की, ताकि लोगों को कमाई का नया जरिया मिल सके। गडकरी ने कहा कि सरकार बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर सख्ती करेगी। इसके लिए मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कर ड्राइवरों के लिए नेगेटिव पॉइंट सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है। गडकरी ने भारी वाहन और निर्माण उपकरण चलाने वाले ड्राइवरों की अनिवार्य ट्रेनिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी ऐसी कोई जरूरी व्यवस्था नहीं है। उन्होंने खउइ क्ल्र्ल्र् जैसी कंपनियों से उपकरण देने से पहले ड्राइवरों को ट्रेनिंग देने की अपील की। गडकरी ने 'सुरक्षा' पायलट प्रोग्राम शुरू किया। इसके तहत हाईवे, खनन और निर्माण जैसे जोखिम वाले कामों से जुड़े करीब 10 लाख ड्राइवरों और कर्मचारियों की मुफ्त मेडिकल जांच व काउंसलिंग होगी। पहले चरण में नागपुर-कामठी के ठल्-44 और चंद्रपुर के माइनिंग क्षेत्र में करीब 10 हजार लोगों की जांच का लक्ष्य है।

गडकरी के मुताबिक, भारत में दोपहिया हादसों में 81,780 मौतें हुई हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। सीट बेल्ट न लगाना, हिट एंड रन, गलत दिशा में ड्राइविंग, शराब और मोबाइल का इस्तेमाल हादसों की बड़ी वजह हैं। सीट बेल्ट न लगाने से 14,466 और हिट एंड रन में 34,030 मौतें हुईं।

परिवार में 200 साल बाद बेटी जन्मी, ढोल-नगाड़ों से स्वागत किया

ब्रह्मास्त्र ›› बीड़

महाराष्ट्र के बीड़ जिले के परिवार ने दावा किया है कि उनके यहां 200 साल बाद बेटी का जन्म हुआ है। मंगलवार को बच्ची को सजे रथ में घर लाया गया। ढोल नगाड़ों से स्वागत हुआ। संगीत के बीच लोगों ने जश्न मनाया।

परली वैजनाथ की रहने वाली कल्पना दहिफले ने 27 अगस्त को स्थानीय अस्पताल में बेटी को जन्म दिया था। बेटी के जन्म से उनके पति ऋषिकेश और परिवार के लोग और रिश्तेदार काफी खुश हो गए। बच्ची के दादा लिम्बाजी दहिफले भगवान प्राइमरी स्कूल में हेडमास्टर हैं। उन्होंने कहा कि उनके सीधे पैतृक वंश में करीब 200 साल से कोई बेटी पैदा नहीं हुई थी। परिवार में कन्यारत्न के आने से दो सदी से चली आ रही यह कमी पूरी हुई है।

रंगोली, फूलों से की सजावट

कल्पना को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद दहिफले परिवार ने इस मौके को खास बनाने की तैयारी की। बच्ची को रोशनी से सजाए गए रथ में परिवार के इंदिरा नगर स्थित घर लाया गया। इस स्वागत जुलूस में रिश्तेदार, पड़ोसी और शुभचिंतक शामिल हुए। रास्ते में लोग पारंपरिक ढोल की धुन पर नाचे और आतिशबाजी की।

अमेरिका तैयार हुआ तो गाजा खाली करा देंगे

ब्रह्मास्त्र ›› इजराइल

इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि अगर अमेरिका मंजूरी देता है तो हम गाजा से फिलिस्तीनियों को बाहर निकाल देंगे। काट्ज ने कहा कि हमास हथियार छोड़ने को तैयार नहीं है। ऐसे में गाजा की समस्या का समाधान लोगों को वहां से हटाए बिना संभव नहीं है। फिलिस्तीनियों को गाजा से बाहर निकालने की योजना तैयार है। लोगों को समुद्र, हवाई मार्ग या किसी भी दूसरे तरीके से बाहर भेजने की तैयारी है। उन्होंने कहा- अब इजराइल अमेरिका के फैसले का इंतजार कर रहा है कि इन लोगों को कहां भेजा जाएगा।

4 घंटे मलबे में दबी रहीं 97 साल की महिला, बाढ़ में 1243 की मौत

ब्रह्मास्त्र ›› काठमांडू

नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण फ्लैश फ्लड में 97 साल की गुना माया बोहरा करीब 4 घंटे तक मलबे में दबी रहीं। नुवाकोट के देविघाट में नदी किनारे बने बुजुर्ग देखभाल केंद्र की ग्राउंड फ्लोर पर वह अपने कमरे में थीं। बाढ़ का पानी ग्राउंड फ्लोर तक पहुंचा और गुना माया को बहाकर एक किनारे तक ले गया, जहां पानी का बहाव कम था। उनके रिश्तेदार भी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू में सेना और पुलिस की मदद की। गुना माया को काठमांडू के बीर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रेस्क्यू के बाद वह बहुत कम बोलती हैं और बार-बार एक ही सवाल पूछती हैं- पानी ने मुझे क्यों मारा? नेपाल में इस बाढ़ से अब तक 1,243 लोगों की मौत हो चुकी है। भोटेकोशी नदी के रास्ते और अंडरग्राउंड पावरहाउस की सुरंगों में फंसे लोगों की तलाश अब भी जारी है। नेपाल की बाढ़ के बाद भारत ने 19 सदस्यीय फोरेंसिक टीम भेजी है। यह टीम काठमांडू में नेपाल पुलिस और स्थानीय एक्सपर्ट्स के साथ काम कर रही है। टीम शवों से डीएनए सैंपल लेने, उनकी जांच और परिजन के डीएनए से मिलान में तकनीकी मदद कर रही है।

नेपाल में बाढ़ के बाद एआई पर सवाल उठे

नेपाल बाढ़ के बाद एआई के बढ़ते इस्तेमाल और उसकी पर्यावरणीय कीमत को लेकर सवाल उठे हैं। नेपाल में डेटा सेंटर बनाने की चर्चा के बीच विशेषज्ञों ने अकके लिए जरूरी भारी बिजली-पानी की खपत और पर्यावरण पर उसके असर का आकलन करने की जरूरत बताई है। डेटा सेंटर से निकलने वाली गर्मी और उनके लिए इस्तेमाल होने वाली बिजली-पानी की मात्रा को लेकर चिंता जताई गई है। इसलिए नेपाल जैसे संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्र में इनके निर्माण से पहले पर्यावरणीय असर का अध्ययन जरूरी माना जा रहा है।

भारत ने भेजी 5 टन से ज्यादा जरूरी दवाएं

भारत ने बाढ़ से प्रभावित नेपाल के लिए जरूरी दवाओं की पांचवीं खेप भेजी है। इसमें 5 टन से ज्यादा जरूरी दवाएं शामिल हैं। भारत ने इसके साथ 11 सदस्यीय स्पेशलाइज्ड रेस्क्यू टीम भी भेजी है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, टीम के साथ 6 टन से ज्यादा रेस्क्यू उपकरण भी भेजे गए हैं।

पीएम शाह बोले- क्लाइमेट चेंज का मुद्दा उठाना जरूरी

प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा कि इस आपदा का क्लाइमेट चेंज से संबंध अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने मजबूती से उठाया जाना चाहिए। पिछले हफ्ते आई बाढ़ में बड़ी संख्या में लोग लापता हुए हैं। इनके परिवार अब अपने परिजनों के नहीं मिलने की स्थिति में प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार कर रहे हैं।

■ वर्ष-12 अंक-300 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल

मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

गावश्चिद्धा समन्यवः सजात्येन मरुतः सबन्धवः।
रिहते ककुभो मिथः।।

भावार्थ : दुष्ट और दुष्ट लोग एक ही चमक या एक ही क्रोध के साथ! देखिए, एक ही जाति और भाईचारे के ये यशो गायक आपकी सुरक्षा के कारण उन जगहों पर एक-दूसरे से प्यार करते हैं।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, बृहस्पतिवासरः 03 सितम्बर, 2026

प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यंति जंतवः।
तस्मात तदेव व्यक्तव्यं वचने का दरिद्रता।।

भावार्थ : जीवन के अच्छे-अच्छे वचनों को बोलकर मधुर वचनों से अपने हो जाने से सभी प्रसन्न होते हैं। इसलिए अच्छे शब्दों से सावधान न रहें।

सम्पादकीयम्

न्यायालयस्य निरीक्षणम्

सर्वोच्चन्यायालयेन संस्थागतसुदृढीकरणस्य आवश्यकता अपि स्वीकृता अस्ति। तदर्थव्यवस्थाः वर्षाणां यावत् समस्यां जनयन्ति; अधुना स्थायी दृढं च व्यवस्था आवश्यकी अस्ति। न्यायालयस्य निरीक्षणम्। सर्वोच्चन्यायालयः नीट् विषये केन्द्रेण कार्यान्वितानां सुधारणानां निरन्तरं निरीक्षणं करिष्यति इति महत्त्वपूर्णम्। पुनः पुनः अनियमिततायाः कारणात् छात्राणां व्यवस्थायां विश्वासः क्षीणः अभवत्। ते इदानीं मौलिकपरिवर्तनं याचन्ते, सर्वोच्चन्यायालयस्य निरीक्षणेन एतस्याः प्रक्रियायाः सुविधा भविष्यति। संवादार्थं मार्गाः। शुक्रवासरे एकः महत्त्वपूर्णः विकासः सर्वकारस्य 'काकरोचजनतापक्षस्य' च मध्ये द्वितीयचक्रस्य वार्ता अभवत्। यद्यपि समाधानं न प्राप्तम् तथापि सभा सकारात्मकरूपेण द्रष्टव्या; अन्ते जन-आन्दोलनानि संवादद्वारा समाधानं प्राप्नुवन्ति। अद्य अपराह्णे तृतीयचक्रस्य वार्तायां द्वयोः पक्षयोः सहमतिः अस्ति। परन्तु प्राथमिकं विवादस्य बिन्दुः शिक्षामन्त्री धर्मेन्द्रप्रधानस्य त्यागपत्रस्य आग्रहः एव वर्तते। यदा भाजपा विपक्षश्च अस्मिन् माङ्गे अडिगः अस्ति, तदा सर्वकारः सम्प्रति परीक्षासुधारं प्रति केन्द्रितः अस्ति। छात्रविरोधविषये पप्पू यादवः- 'लाठिकायाः प्रत्येकं प्रहारस्य लेखा भवति...' – छात्राणां ताडनं प्रति पप्पू यादवः कथं क्रोधेन प्रतिक्रियाम् अददात्?

पटना उच्चन्यायालयस्य पूर्णन्यायालयस्य निर्णयेन बिहारस्य

न्यायव्यवस्थायां सेवां कुर्वतां अधिकारिणां कृते महत्त्वपूर्णः परिवर्तनः अभवत्

ब्रह्मास्त्र ▸▸ पटना

पटना उच्चन्यायालयस्य पूर्णन्यायालयस्य निर्णयेन बिहारस्य न्यायव्यवस्थायां सेवां कुर्वतां अधिकारिणां कृते महत्त्वपूर्णः परिवर्तनः अभवत्। उच्चन्यायालयेन राज्यस्य न्यायिकपदाधिकारिणां सेवानिवृत्तिवयः ६० वर्षाणां यावत् ६२ वर्षाणि यावत् वर्धयितुं निर्णयः कृतः। १८ अगस्त २०२६ दिनाङ्के गृहीतस्य अस्य निर्णयस्य विषये सूचनाः ३१ अगस्तदिनाङ्के बिहारसर्वकारस्य सामान्यप्रशासनविभागस्य अतिरिक्तमुख्यसचिवं प्रति प्रेषितेन पत्रेण प्रदत्ता। एतेन कदमेन बिहारः तेषु राज्येषु सम्मिलितः अस्ति येषु जिलान्यायपालाधिकारिणां कार्यकालस्य विस्तारार्थं ठोसपदं स्वीकृतम् अस्ति।

अस्य निर्णयस्य महत्त्वं बिहारात् परं व्याप्तम् अस्ति। पटना उच्चन्यायालयेन ६२ वर्षाणि इति आयुः निर्धारयितुं निर्णयः सर्वोच्चन्यायालये राष्ट्रव्यापिरूपेण जिलान्यायपालाधिकारिणां सेवानिवृत्तिवयोः विषये प्रचलति कार्यवाहीनां मध्यं भवति। अन्येषु शब्देषु, यदा देशस्य सर्वोच्चन्यायालयः विचारयति यत् जिल्लान्यायपालिकाधिकारिणां एकरूपं सेवानिवृत्तिवयोः किं भवेत्, तदा बिहारः स्वतन्त्रतया सेवावयोः ६२ वर्षाणि यावत् विस्तारयितुं अग्रे गतः।

पटना उच्चन्यायालयस्य महारजिस्ट्रारूपेशदेवेन राज्यसर्वकाराय प्रेषितपत्रे १८ अगस्ततः पूर्णन्यायालयस्य प्रस्तावस्य उद्धरणं दत्त्वा आवश्यककायार्णां अनुरोधः कृतः अस्ति। एतेन स्पष्टं भवति यत् उच्चन्यायालयेन स्वस्य प्रशासनिकक्षेत्रस्य अन्तः एव अस्मिन् विषये औपचारिकः निर्णयः कृतः अस्ति। अधुना राज्यसर्वकारेण अस्य निर्णयस्य प्रभावी कार्यान्वयनम् सुनिश्चित्य आवश्यकाः प्रशासनिकाः कानूनी च प्रक्रियाः पूर्णाः करणीयाः।

वस्तुतः जिलान्यायपालिकायां सेवां कुर्वतां अधिकारिणां सेवानिवृत्तिवयः न्यायिकप्रशासनस्य अन्तः दीर्घकालं यावत् व्यापककविमर्शस्य विषयः अस्ति। देशस्य न्यायालयेषु वर्धमानः प्रकरणभारः, अनुभविनां न्यायिकपदाधिकारिणां उपलब्धता, जिलास्तरस्य न्यायिकसंरचनायाः परिचालनदक्षता च इत्यादयः विषयाः अस्याः वादविवादस्य मूलं भवन्ति फलतः सेवाकार्यकालस्य द्विवर्षीयविस्तारः न केवलं व्यक्तिगतसेवालाभरूपेण, अपितु न्यायिकप्रशासनस्य निरन्तरतायां सम्बद्धनिर्णयरूपेण दृश्यते। अस्य सम्पूर्णस्य प्रकरणस्य पृष्ठभूमिः सर्वोच्चन्यायालये अखिलभारतीयन्यायाधीशसङ्घः बनाम भारतसङ्घः इति प्रचलितप्रकरणेन सह सम्बद्धा अस्ति। २०२६ तमस्य वर्षस्य जुलै-मासस्य २२ दिनाङ्के सर्वोच्चन्यायालयेन राज्येभ्यः केन्द्रशासितप्रदेशेभ्यः च स्वस्व-उच्चन्यायालयेभ्यः परामर्शं कृत्वा जिलान्यायाधीशानां सेवानिवृत्ति-आयुः ६० वर्षेभ्यः ६१ वर्षेभ्यः वर्धयितुं निर्णयः करणीयः इति निर्देशः दत्तः न्यायालयेन ६० वर्षाणि प्राप्तानां न्यायिकपदाधिकारिणां कृते ६१ वर्षपर्यन्तं सेवायां निरन्तरं भवितुं मार्गः प्रशस्तः-प्रकरणस्य अन्तिमपरिणामस्य अधीनः-यत्र राज्यसर्वकारः सम्बन्धितः उच्चन्यायालयः च द्वौ अपि सहमतौ स्तः। परन्तु सर्वोच्चन्यायालयेन एतां व्यवस्थां ६१ वर्षाणि यावत् सीमितं कृत्वा एतदपि स्पष्टीकृतं यत् देशे सर्वत्र जिलान्यायपालिकाधिकारिणां सेवानिवृत्तिवयोः एकरूपतया ६२ वर्षाणि यावत् वर्धयितुं व्यापकः प्रश्नः पृथक् पृथक् निर्णयः भविष्यति। एषः एव बिन्दुः बिहारस्य हाले कृतं निर्णयं न्यायिकप्रशासनविषये राष्ट्रियविमर्शेन सह सम्बध्दयति। पटना उच्चन्यायालयेन पूर्णन्यायालयस्तरस्य आयुः ६२ वर्षाणि इति निर्धारितस्य निर्णयः तस्मिन् समये कृतः यदा सर्वोच्चन्यायालयः।

दस्तावेजानां पृष्ठतः

संगठितं जालं उद्घाटितं भवति तर्हि पुलिसकायार्णां व्याप्तिः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

दस्तावेजानां पृष्ठतः संगठितं जालं उद्घाटितं भवति तर्हि पुलिसकायार्णां व्याप्तिः बहुभ्यः व्यक्तिभ्यः अपि विस्तारितुं शक्नोति। पुलिसस्त्रोतानां अनुसारं तृप्तेः कथितक्रियाकलापैः सह सम्बद्धानां व्यक्तिनां भूमिकायाः अपि अन्वेषणं क्रियते। तस्याः भ्रात्रा सह पुलिसैः द्वयोः स्थानयोः अन्वेषणं कृतम् अस्ति। अधुना, पुनः प्राप्ताः दस्तावेजाः... जप्तवस्तूनाम् अन्यसाक्ष्याणां च आधारेण प्रश्नोत्तरं प्रचलति। पुलिस इदमपि निर्धारयितुं प्रयतते यत अभियुक्ता केवलं व्यक्तिगतसम्बन्धेषु एव स्वस्य कल्पितपरिचयस्य प्रभावस्य च उपयोगं कृतवती अथवा कायेर्षु, व्यापारव्यवहारेषु, सरकारीकायेर्षु, अन्येषु विषयेषु वा जनान् प्रभावितवती वा इति।

अन्वेषणस्य एकः निर्णायकः पक्षः अस्ति यत् एतादृशी दीर्घकालं यावत् एकः महिला कथं सर्वकारीय-अधिकारीरूपेण अभिनयं कुर्वन्ती जनसमुदायस्य मध्ये सक्रियताम् अवाप्तवती। यदि कश्चन व्यक्तिः कअर अथवा अधिकारी इति दावान् करोति तर्हि तस्य परिचयः पदनाम च सामान्यतया आधिकारिकसरकारी अभिलेखानां माध्यमेन सत्यापितुं शक्यते। नकलीपरिचयस्य उपयोगेन जनान् प्रभावितं कर्तुं कश्चन सफलः अभवत् इति तथ्यं सर्वकारीयपदनामानां दुरुपयोगं निवारयितुं राज्यसंस्थानां नामानि च निवारयितुं स्थापितानां तन्त्राणां विषये प्रश्नान् उत्थापयति। सम्प्रति चण्डेरीपुलिसः जब्तदस्तावेजानां परीक्षणं, वाहनस्य उपयोगसम्बद्धविवरणसङ्ग्रहणं, कथितवित्तीयव्यवहारस्य अनुसन्धानं, अन्येषां सम्भाव्यपीडितानां पहिचाने च केन्द्रीक्रियते। तृप्तिः एकान्ते एव कार्यं कृतवती वा तस्याः पार्श्वे अन्यः व्यक्तिः वा समूहः वा कार्यं कुर्वन् आसीत् वा इति अपि पुलिस अन्वेषणं कुर्वती अस्ति। ९.८० लक्षरूप्यकाणां कथित-धोखाधड़ी-प्रकरणेन आरब्धस्य अन्वेषणस्य विस्तारः अधुना नकली-सरकारी-परिचयस्य।

उत्तरदायी अधिकारिणां विरुद्धं किं स्तरं कार्यवाही कर्तव्या इति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुम्बई

प्रतिवेदनस्य आधारेण नियमानाम् उल्लङ्घनम् अभवत् वा इति विषये निर्णयः भविष्यति, यदि अनियमिता सिद्धा भवति तर्हि उत्तरदायी अधिकारिणां विरुद्धं किं स्तरं कार्यवाही कर्तव्या इति। अस्मिन् विषये विश्वविद्यालयस्य सम्पत्तिषु व्यावसायिकप्रयोगस्य, तस्मात् उत्पन्नस्य राजस्वस्य च विषये महत्त्वपूर्णाः प्रश्नाः अपि उत्पन्नाः सन्ति। विश्वविद्यालयसदृशे सार्वजनिकशैक्षिकसंस्थायां उपलब्धसम्पत्त्याः उपयोगः पारदर्शकप्रक्रियाद्वारा भवितुं शक्यते। अस्मिन् सन्दर्भे तुल्यकालिकरूपेण न्यूनभाडेन विशालं भोजनालयस्थानं पट्टे दातुं निर्णयेन-औपचारिकसञ्चालनअनुबन्धं।

राशिफल

मेष : मूड काफी अच्छा रहने वाला है। ऑफिस में किसी जरूरी काम की जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आसानी से संभाल लेंगे।

वृषभ : आज काम के बीच आपको कुछ नया सीखने का मौका मिल सकता है। बॉस आपके काम से खुश हो सकते हैं।

मिथुन : आज कोई अच्छी खबर मिल सकती है। नौकरी करने वालों के लिए दिन फायदेमंद रहेगा और काम की तारीफ भी हो सकती है।

कर्क : अपने काम पूरे करने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। परिवार में किसी बड़े की सलाह आपके काम आएगी।

सिंह : आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। ऑफिस में आपकी कोई बात या आइडिया लोगों को पसंद आ सकता है।

कन्या : आज आपको अपने काम की प्लानिंग पहले से करके चलना चाहिए। जल्दबाजी में किया गया काम बिगड़ सकता है।

तुला : आज आपका ध्यान अपने करियर को बेहतर बनाने पर रहेगा। काम के सिलसिले में कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

वृश्चिक : आज कुछ काम आपकी उम्मीद के मुताबिक जल्दी पूरे नहीं होंगे, इसलिए परेशान होने की जरूरत नहीं है।

धनु : आज का दिन नई शुरूआत के लिए अच्छा है। नौकरी में कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है और इससे आपकी पहचान मजबूत होगी।

मकर : अपने किसी पुराने काम का अच्छा नतीजा मिल सकता है। करियर में आगे बढ़ने के लिए कोई नया मौका सामने आएगा।

कुंभ : आज आप जिस काम को लेकर काफी समय से सोच रहे थे, उसे शुरू करने का सही समय मिल सकता है।

मीन : काम थोड़ा ज्यादा रहेगा, लेकिन उसे समय पर पूरा कर लेंगे। पुराने क्लाइंट या जान-पहचान वाले से फायदा मिल सकता है।

卐 卐 卐 **ज्योतिष/वास्तु** 卐 卐 卐

जन्माष्टमी : इस साल बनेगा द्वापर युग जैसा दुर्लभ संयोग, 5 राशियों पर बरसेगी कान्हा की विशेष कृपा

ज्योतिषीय गणनाओं के मुताबिक, इस बार जन्माष्टमी की रात कई शुभ ग्रह-नक्षत्रीय परिस्थितियां एक साथ बन रही हैं। इसे लंबे समय बाद बनने वाला विशेष संयोग बताया जा रहा है। इस विशेष संयोग का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग रहेगा, लेकिन 5 राशियों के लिए यह समय विशेष रूप से लाभकारी साबित हो सकता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व इस वर्ष 4 सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का यह दिन धार्मिक आस्था के साथ-साथ ज्योतिषीय नजरिए से भी बेहद खास माना जा रहा है। ज्योतिषीय गणनाओं के मुताबिक, इस बार जन्माष्टमी की रात कई शुभ ग्रह-नक्षत्रीय परिस्थितियां एक साथ बन रही हैं। इसे लंबे समय बाद बनने वाला विशेष संयोग बताया जा रहा है।

मान्यता है कि जन्माष्टमी की मध्यरात्रि में रोहिणी नक्षत्र के साथ हर्षण योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का प्रभाव रहेगा। धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से इन योगों को शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण की आराधना, व्रत, दान और शुभ संकल्प करने से सकारात्मक फल प्राप्त हो सकता है। हालांकि, इस विशेष संयोग का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग रहेगा, लेकिन 5 राशियों के लिए यह समय विशेष रूप से लाभकारी साबित हो सकता है।

द्वापर युग से क्यों जोड़ा जा रहा है यह संयोग- पौराणिक कथाओं में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का वर्णन भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि में किया गया है। मान्यता के अनुसार, उनके प्राकट्य के समय रोहिणी नक्षत्र था और चंद्रमा वृषभ राशि में स्थित थे। इसी वजह से जन्माष्टमी पर रोहिणी नक्षत्र और अष्टमी तिथि के संयोग को विशेष महत्व दिया जाता है।

इस वर्ष भी जन्माष्टमी के अवसर पर अष्टमी तिथि के साथ रोहिणी नक्षत्र और कुछ शुभ योगों का मेल देखने को मिलेगा। ज्योतिष में ऐसे संयोगों को धार्मिक अनुष्ठानों और शुभ कार्यों के लिए अनुकूल माना जाता है। इसी आधार पर कुछ राशियों के लिए तरक्की, आर्थिक लाभ और अटके कार्यों में गति के संकेत बताए जा रहे हैं। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए यह समय शुभ रहने वाला है।

वृषभ राशि- वृषभ राशि के जातकों के लिए यह समय आर्थिक रूप से राहत देने वाला हो सकता है। अटका हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना बन सकती है। नौकरी में आपके काम की सराहना होगी, जबकि व्यापारियों को लाभदायक अवसर मिल सकते हैं।

कर्क राशि- कर्क राशि वालों के लिए जन्माष्टमी मानसिक तनाव कम करने वाली साबित हो सकती है। करियर में सकारात्मक बदलाव के संकेत हैं। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन, वेतन वृद्धि या मनपसंद अवसर मिल सकता है। परिवार में भी सुख-शांति का माहौल रहेगा।

सिंह राशि- सिंह राशि के लोगों को लंबे समय से अटके कार्यों में गति मिल सकती है। विवाद या कानूनी मामलों में राहत मिलने की संभावना है। कार्यस्थल पर आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और नई जिम्मेदारियां आत्मविश्वास मजबूत करेंगी।

तुला राशि- तुला राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। आय के नए स्रोत सामने आ सकते हैं। निवेश से जुड़े फैसले सोच-समझकर लेने पर भविष्य में फायदा मिल सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और परिवार से कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

धनु राशि- धनु राशि के जातकों के लिए यह समय भाग्य का साथ लेकर आ सकता है। विदेश यात्रा, उच्च शिक्षा या विदेशी संस्थानों से जुड़े कामों में सफलता की संभावना है। अचानक धन लाभ का अवसर भी मिल सकता है।

जन्माष्टमी विशेष : भगवान श्रीकृष्ण और मोरपंख

बालगोपाल की मोहिनी व आकर्षक छवि में उनके मुकुट में लगा मोरपंख सभी को रोमांचित करता है। श्रीकृष्ण ने मयूर के पंख को ही अपने शीश को अलंकृत करने हेतु क्यों चुना इसके पीछे बहुत से कारण है। पौराणिक कथानुसार मोरपंख को पवित्र माना गया है तो कुछ कथानुसार ये श्रीकृष्ण का मोर के प्रति प्रेम को इंगित करता है। एक मान्यतानुसार त्रेतायुग में मयूर द्वारा श्रीराम की सहायता करने से मुग्ध होकर अगले जन्म में इसे भगवान ने अपने मुकुट पर अलंकृत किया। कारण जो भी रहा हो पर भगवान कृष्ण को मोरपंख अतिप्रिय है इसलिए श्रीकृष्ण की आराधना मे मोरपंख का विशिष्ट स्थान है। जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण के पूजास्थल पर मोरपंख रखने का धार्मिक विधान है।

राधा का उपहार है मोरपंख

एक कथानुसार जब श्रीकृष्ण वन मे बांसुरी की सुमधुर तान छेड़ते थे और राधारानी नृत्य करती थीं तो उस समय जंगल में मोर भी नृत्य करते थे और नृत्य करते हुए उनके पंख जंगल में बिखर जाते थे। श्रीकृष्ण ने इन मोरपंख को राधा के प्यार का उपहार माना और अपने मुकुट पर मोरपंख को स्थान दिया। इस प्रकार मोरपंख पावन प्रेम का प्रतीक है।

भगवान ने मोर का ऋण चुकाया

एक अन्य कथानुसार त्रेतायुग मे भगवान विष्णु ने जब राम के रूप मे धरा पर जन्म लिया और रावण ने मां जानकी का हरण किया और लंका ले गया उस समय श्रीराम अपने अनुज लक्ष्मण के साथ सीताजी को खोज रहे थे। ऐसे समय जंगल मे एक मोर ने श्रीराम से कहा कि उसने लंका की ओर जाते हुए रावण को देखा है और वह उनको लंका की ओर का रास्ता बताएगा किन्तु वो तो नभचर है और भगवान राम भूचर हैं अतः वह ऊपर से अपना एक एक एक पंख गिराता हुआ उड़ेगा उसी दिशा में राम आगे बढ़ते जाएं। मोर पंख गिराता रहा और श्रीराम व लक्ष्मण आगे बढ़ते गए पर पंख गिराते गिराते मयूर की मृत्यु हो गई तब श्रीराम ने मृत मोर को उठाकर कृतज्ञता ज्ञापित की और कहा कि वे इस जन्म में तो उसका ऋण नहीं चुका पाएंगे पर अगले जन्म मे अवश्य ही उसे सम्मान देकर उऋण होने की कोशिश करेंगे। द्वापर युग मे जब भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण का रूप धारण किया तो उन्होंने मोर पंख को अपने शीश को शोभायमान करके मोर को सम्मान दिया।

मोरपंखः पवित्रता का प्रतीक

ऐसा कहा जाता है कि मोर व मादा कभी सशरीर संभोग नहीं करते और संतानोत्पत्ति के लिए मोरनी, मोर के आंसू पी जाती है और गर्भधारण हो जाता है। इस प्रकार मोर एक पवित्र पक्षी है और उसका पंख पवित्रता का प्रतीक माना गया। मोरपंख को लेकर मतभिन्नता हो सकती है किन्तु सार एक ही निकलता है कि मोरपंख में पवित्रता, प्रेम व कृतज्ञता सभी कुछ समाहित है तभी तो वह भगवान को अतिप्रिय है और जो बांकेबिहारी को पसंद हो वो भक्तों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जन्माष्टमी पर कृष्ण की उपासना मोरपंख के बगैर अधूरी ही समझी जाती है।

कृष्ण की प्यारी बांसुरियां

भगवान श्रीकृष्ण और बांसुरी एक दूसरे के पर्याय हैं। कृष्ण को वंशीवाला, मुरलीधर, वेणुगोपाल भी कहा जाता है। वंशी, मुरली, वेणु अलग अलग प्रकार की बांसुरी हैं जो प्रायः कृष्ण बजाते रहे। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण को ती बांसुरी प्रिय रहीं

1 वंशी : जो लंबाई मे बडी थी और उसकी औसत लंबाई लगभग 15 इंच थी। इसमें 9 छेद थे।

2 वेणु : ये छोटे आकार की बांसुरी थी जिसमे 6 छेद थे और लंबाई लगभग 6 इंच थी।

3 मुरली : ये सबसे लंबे आकार की बांसुरी मानी गई है जिसकी लंबाई 18 इंच थी। कृष्ण जब मुरली पर, तान छेड़ते तो राधारानी व जंगली जीव मुग्ध होकर एकटक उसे सुनते रहते थे।

नेपाल त्रासदी

कितने ही घर टूट गए नेपाल में,
जाने कितने घर वाले किधर गए।
सैलाब का दानव आया शिखर से,
घर ताश के पत्तों जैसे बिखर गए।।
ये प्रलयंकारी बहाव क्यूं आया,
अनहोनी कोई समझ ना पाया।
क्या? गलती हुई इंसान से कोई,
या फिर थी उस हरि की माया।।
क्या इतना क्षणभंगुर है जीवन,
इतनी सस्ती तो नही जिंदगानी।
जाने कितने अपने बह गए असमय,
कितने ही मात पिता बच्चे दादी नानी।।
बड़ा ही खौफनाक था वो मंजर,
जैसे प्रलय लेकर आया हो समंदर।
जलजला कहूं या कहूं जल दानव,
शब्द नहीं फूट रहे मेरे मन के अंदर।।
क्यों जीवन के सपने चकनाचूर हुए,
आखिर क्यूं अपने अपनों से दूर हुए।
रोके नहीं रुका किसी से जल तांडव,
आखिर क्यूं हम इतने मजबूर हुए।।
कहीं यह प्रकृति का इशारा तो नहीं,
सोचता हूं कहीं दोष हमारा तो नहीं।
घटती भूमि कटते जंगल, बेतरतीब निर्माण,
अरे इसी कृत्य ने अपनों को मारा तो नहीं।।
दुखी होता देख नेपाल विचलित है मेरा मन। असमय छीन लिया विधाता ये जीवन धन।। द्रवित है धरती माता, दुखी है आज गगन। है दिवंगत आत्माओं स्वीकारो मेरा नमन।।

स्वरचित-
कमल पटेल
चकरावदा

विमेंस एशिया कप में आज भारत-हॉन्गकॉन्ग

इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार भिड़ंत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ दुबई

विमेंस एशिया कप 2026 में आज भारत और हॉन्गकॉन्ग के बीच मुकाबला खेला जाएगा। मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रात 8 बजे से शुरू होगा। इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार भारत और हॉन्गकॉन्ग की महिला आमने-सामने होंगी।

भारत ग्रुप-अ में 2 अंक के साथ टॉप पर है। पहले मुकाबले में उसने थाईलैंड को 94 रन से हराया था। यह मुकाबला जीतने पर टीम 4 अंक के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। इसकी वजह है कि भारत के जीतने की सूरत में पाकिस्तान के अलावा कोई और टीम 4 अंक तक नहीं पहुंच सकती। हर ग्रुप से 2 टीमें सेमीफाइनल खेलेगी।

साल 2026 के आंकड़ों की बात करें तो भारत ने इस साल 17 मुकाबले खेले हैं। टीम ने 8 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि 9 मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर हॉन्गकॉन्ग ने इस साल खेले 26 में से 16 मैच जीते हैं, जबकि 10 में उसे हार मिली। हालांकि इस मुकाबले में भारत का पलड़ा भारी रहेगा। भारत के लिए इस साल ओपनर बल्लेबाज शेफाली वर्मा और गेंदबाज एन श्री चरणी ने शानदार प्रदर्शन किया है। शेफाली ने 2026 में 17 पारियों में 150.14 की स्ट्राइक रेट से 503 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 64 रन रहा है। उन्होंने 5 अर्धशतक लगाए हैं। शेफाली ने इस साल टी-20 में 67 चौके और 16 छक्के लगाए हैं।

खबर एक नजर...

जेल की सलाखों ने निकाली हवा

उज्जैन। कहा जाता है कि जेल की सलाखों के पीछे अच्छे अच्छे अपराधी भीगी बिल्ली बन जाते हैं। इसी बात का प्रमाण है किन्नर अघोरी का जेल के अंदर प्रथम दिन का व्यवहार। चक्रतीर्थ श्मशान मे जलती चिता के शव से छेडछाड करके मानव अंग का भक्षण करनेवाली चर्चित किन्नर अघोरी काली गिरी पर पुलिस प्रकरण दर्ज होने के बाद न्यायालय द्वारा उसे भैरवगढ जेल भेजा गया। जेल के सूत्रों के अनुसार किन्नर अघोरी को महिला बंदी सेल मे पृथक से अकेले रखा गया है। जो अघोरी श्मशान मे दहशत पैदा करने की कोशिश करती नजर आ रही थी और धमकी दे रही थी वो जेल की सलाखों के पीछे दिनभर शांत रही और जेल के अनुशासन का पालन करती रही। जेल मे उसने भोजन भी शांत रहते हुए किया और जेल प्रशासन के लिए किसी प्रकार की परेशानी पैदा न की। किन्नर अघोरी काली गिरी को मंगलवार रात को भैरवगढ जेल लाया गया था।

पत्नी-बच्चों से विवाद के बाद ड्रायवर ने लगाई फांसी

उज्जैन। धन्नालाल की चाल में रहने वाले ड्रायवर आशीष पिता भगवानसिंह कौशल 42 साल मंगलवार रात शराब पीकर घर लौटा था, उसने पत्नी-बच्चों से विवाद किया और मारपीट करने लगा। पत्नी-बच्चे पास में रहने वाले रिश्तेदारों के यहां चले गये। घर में आशीष अकेला रह गया था, बुधवार सुबह पत्नी यह सोचकर घर लौटी की नशा उतर गया हो गया, लेकिन दरवाजा खोलते ही उसने पति को दुपट्टे के फंदे से लटका देखा। सूचना मिलते ही नीलगंगा थाना पुलिस घटनास्थल पहुंच गई थी। एसआई उद्यमसिंह राठौर ने बताया कि घटनास्थल पर विवेचना के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजा गया, मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है। बताया जा रहा था कि अशीष शराब पीने का आदी था और आये दिन घर में विवाद करता था। परिजनों के बयान दर्ज कर आगे की जांच शुरू की जायेगी।

कालापत्थर चौराहा पर कार-बस के बीच हुई टक्कर

उज्जैन। नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के कालापत्थर चौराहा पर मंगलवार-बुधवार रात कार और यात्री बस के बीच टक्कर हो गई। घटनाक्रम के बाद चालक बस लेकर भाग निकला। कार क्षतिग्रस्त होने पर उसमें सवार सन्नी पिता जगदीश चौकसे निवासी आदर्श बिजासन नगर इंदौर नानाखेड़ा थाना पहुंचा और बस चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर टक्कर मारने वाली यात्री बस का पता लगाने के लिये आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखना शुरू किये है। बस-कार की टक्कर होने का एक मामला बुधवार सुबह सामने आया, स्कूली बस और कार के बीच सिंहस्थ बायपास मार्ग पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास टक्कर हुई थी। जिसमें कार क्षतिग्रस्त हो गई थी और कुछ स्कूली बच्चों को हल्की चोंट लगी थी, लेकिन मामला पुलिस देर शाम तक पुलिस के पास नहीं पहुंचा था।

पैसे नहीं देने पर युवक के साथ ब्रिज पर मारपीट

उज्जैन। छोटी मायापुरी में रहने वाले सावन पिता मुकेश परिहार 27 साल के साथ गोपालपुरा ब्रिज से गुजरते समय 3 बदमाशों ने रास्ता रोक सब्बल, पाइप से मारपीट की और मोबाइल तोड़कर जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में लगी चोंट के बाद सावन ने माधवनगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि उसके साथ राज, अमन और एक अन्य ने मारपीट की है। तीनों ने रास्ता रोककर बोला था कि यह इलाका हमारा है। हमें शराब पीने के लिये रुपए देना होगें। मना करने पर राज ने सब्बल से अमन ने पाइप और उनके तीसरे साथी ने लात-घूसों से मारपीट की धमकी दी। पुलिस ने सावन की शिकायत पर तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि घटनाक्रम 11 अगस्त की रात का है, घटना में सावन गंभीर घायल हुआ था, जिसका उपचार अस्पताल में चल रहा था, छुट्टी होने पर उसने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक मेडिकल कॉलेज में मौत

उज्जैन। अंकपात मार्ग श्रीकृष्ण कालोनी में रहने वाला आशीष पिता भगवानसिंह कौशल कुछ दिन पहले देवास में हुई दुर्घटना के दौरान गंभीर घायल हो गया था। उसे उपचार के लिये इंदौर ले जाया गया था, जहां से ऑपरेशन के बाद परिवार आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज ले आया था। जहां बुधवार दोपहर को आशीष की मौत हो गई। सूचना मिलने पर चिमनगंज थाना पुलिस ने मर्ग कायम किया और शव को पोस्टमार्टम के लिये चरक अस्पताल लाया गया। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है। मर्ग डायरी जांच के लिये संबंधित थाना पुलिस को भेजी जायेगी।

मानसून की बेरूखी, अब भी 12 इंच की जरूरत

उज्जैन। जून-जुलाई में हुई बारिश के बाद अगस्त में झमाझम झड़ी की उम्मीद शहरवासियों को थी, लेकिन अगस्त माह में उम्मीद का मानसून दिखाई नहीं दिया और माह बीतने के बाद 24 इंच बारिश ही दर्ज की जा सकी। स्थानीय शासकीय वेधशाला के अनुसार शहर की औसतन बारिश का आंकड़ा 36 इंच है, जिसमें अब भी 12 इंच की जरूरत है। प्रदेश में मानसून का सिस्टम बन रहा है लेकिन उज्जैन में तेज बारिश नहीं हो पा रही है। आसमान में बादलों की आवाजाही बनी हुई, जिसके चलते उमस का वातावरण भी बनने लगा है। वैसे वर्षाकाल 15 सितंबर तक का है, शेष दिनों में अच्छी बारिश की संभावना बन रही है।

दिन	579-1	567-8
मेन बाजार	470-1	259-6
मिलन डे	560-1	266-4
मिलन नाइट	129-2	240-6

2 8 0

उज्जैन संभाग अंतर्गत करीब 30 मार्ग भी इसमें शामिल, स्टेट हाईवे एक्ट में संशोधन के साथ यूजर फीस वसूलने का रास्ता साफ

स्टेट हाईवे पर यूजर फीस का बोझ भी आएगा सफर करने वालों पर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मध्यप्रदेश स्टेट हाईवे एक्ट में संशोधन के साथ ही स्टेट हाईवे के इस्तेमाल पर यूजर फीस वसूलने का रास्ता साफ हो गया है। प्रदेश के साथ ही उज्जैन संभाग अंतर्गत 30 स्टेट हाइवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों और माल परिवहन करने वालों की जेब पर आने वाले दिनों में अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। हालांकि शुल्क किन सड़कों पर और कितनी दर से लगाया जाएगा, यह सरकार के आगामी निर्णयों पर निर्भर करेगा।

मध्यप्रदेश स्टेट हाईवे एक्ट में संशोधन किया गया है और मध्यप्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक-2026 का गजट नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। इस संशोधन के साथ ही स्टेट हाईवे के इस्तेमाल पर यूजर फीस वसूलने का रास्ता साफ हो गया है। स्टेट हाईवे एक्ट में संशोधन के नए प्रावधान लागू होने के बाद सरकार किसी भी स्टेट हाईवे या उसके किसी हिस्से को यूजर फीस के दायरे में ला सकेगी। खास बात यह है कि यह शुल्क मौजूदा टोल और वैट से अलग होगा। ऐसे में सड़क से गुजरने वाले वाहनों के लिए परिवहन लागत बढ़ने की संभावना है। मध्यप्रदेश में 12 हजार किमी से ज्यादा लंबा स्टेट हाईवे नेटवर्क है। नए प्रावधान के तहत इस नेटवर्क में शामिल किसी भी हाईवे या उसके हिस्से को यूजर फीस के दायरे में लाया जा सकता है। इसमें उज्जैन संभाग का बड़ा हिस्सा है।

संभाग की ये सड़कें प्रभावित हो सकती है यूजर फीस से- संभाग में स्टेट हाईवे के तहत लेबड-जावरा-नयागांव, उज्जैन-जावरा, उन्हेल-इंगोरिया-देपालपुर, मंदसौर-सीतामऊ,सीतामऊ-बसई, रतलाम-बांसवाडा, मंदसौर-प्रतापगढ़, आगर-सारंगपुर, उज्जैन-मक्सी, देवास-नेवरी, शाजापुर-बेरछा, शाजापुर-कानड़-दुपाडा-नलखेडा, शाजापुर-अकोदिया-सारंगपुर, नीमच-सिंगोली, नीमच-मनासा-रामपुरा, जावरा-आलोट-आगर, कन्नोद-आष्टा, नेवरी-चापडा-हाटपिपल्या, गोगापुर-महिदपुर-घोंसला,सुंदरसी-पोलायकलां, नलखेड़ा-छापीहेडा, भानपुरा-गरोठ-सुवासरा, सोनकच्छ-गंधर्वपुरी, ताल-गोगापुर सहित अन्य मार्ग शामिल हैं।

संशोधन की धारा8-ए के तहत यूजर फीस

संशोधित कानून की धारा 8-ए के तहत राज्य सरकार स्टेट हाईवे या उसके किसी हिस्से के इस्तेमाल से जुड़ी सेवाओं के लिए निर्धारित दरों पर यूजर फीस लगा सकेगी। सरकार सड़क के विकास, रखरखाव, प्रबंधन और संचालन के लिए किसी एजेंसी या निजी संस्था के साथ समझौता भी कर सकेगी। समझौते के तहत संबंधित एजेंसी या व्यक्ति को यूजर फीस वसूलने और तय शर्तों के अनुसार उसका हिस्सा अपने पास रखने का अधिकार दिया जा सकता है। यानी भविष्य में किसी स्टेट हाईवे पर वाहन चालक को मौजूदा टोल के अलावा यूजर फीस भी देनी पड़ सकती है।

रखरखाव में बढ़ रहा निवेश

स्टेट हाईवे के विकास और रखरखाव में लगातार बढ़ रहे निवेश को देखते हुए इसके लिए अतिरिक्त और व्यवस्थित राजस्व स्रोत जरूरी है। इधर सामने आ रहा है कि यूजर फीस की दर मनमाने तरीके से तय नहीं होगी। इसके लिए सडक निर्माण और रखरखाव की लागत, प्रबंधन एवं संचालन खर्च, निवेश की गई पूंजी पर ब्याज, उचित रिटर्न, सड़क पर वाहनों की संख्या और समझौते की अवधि जैसे पहलुओं को ध्यान में रखा जाएगा।

कई मार्ग एसएच से एनएच में- उज्जैन संभाग में स्टेट हाइवे में शामिल कुछ मार्ग को नेशनल हाईवे घोषित कर दिया गया है। स्टेट हाईवे उज्जैन-मक्सी - 36.50 किमी का फोरलेन उन्नयन किया जा रहा है। कुछ को सिंहस्थ-2028 को देखते हुए फोरलेन / ग्रीनफील्ड बना रहे हैं। इनमें इंदौर-उज्जैन व्हाया फतेहाबाद शामिल हैं। उज्जैन-बदनावर - 69.10 किमी - अब नेशनल हाइवे घोषित हो चुका है, जो पहले स्टेट हाईवे-59 था। उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड - 98.650 किमी - 102 किमी सिक्स लेन ग्रीनफील्ड के रूप में बन रहा है। संभाग के 6 जिले उज्जैन, आगर-मालवा, शाजापुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच के कुछ प्रमुख स्टेट हाईवे को ही जोड़ें तो उनकी कुल लंबाई लगभग 400-450 किमी है। उज्जैन-मक्सी, उज्जैन-बदनावर, उज्जैन-जावरा पर अभी निर्माण के बाद टोल प्रस्तावित हैं, अभी अलग से स्थायी टोल शुरू नहीं हुआ है। नए ग्रीनफील्ड हाईवे पर भी सिंहस्थ-2028 तक टोल बूथ का प्रावधान रखा गया है।

कैमरों की मदद से पुलिस ने लगाया पता, रिमांड पर 2 आरोपी

काम छोड़ चुके कर्मचारी ने चुराई थी जेसीबी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

हाइवे निर्माण में लगी जेसीबी चोरी का मामला सामने आने पर पुलिस ने आसपास क्षेत्र में लगे कैमरों के फुटेज देखे और 2 दिनों में चोरी करने वाले 2 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। एक बदमाश निर्माण कंपनी प्रोजेक्ट का पूर्व कर्मचारी होना सामने आया। दोनों को रिमांड पर लिया गया है।

खाचरौद थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया ने बताया कि 31 अगस्त को हाऊसिंग बोर्ड कालोनी में रहने वाले लक्ष्मण सिसौदिया ने शिकायत दर्ज कराई कि कंचनखेड़ी फंटे के पास ग्रीफ फील्ड हाइवे का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां से 29 अगस्त की रात जेसीबी क्रमांक एमपी 13 डीए 1476 अज्ञात बदमाश चुराकर ले गये है। 2 दिनों तक तलाशी की लेकिन जेसीबी नहीं मिली। मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर एसआई अमित डामर, प्रधान आरक्षक सुनीलसिंह बैस, यशपालसिंह सिसोदिया, महेन्द्र राडोदिया, जितेन्द्र दिवाकर, नारायण सरा, मनीष विश्वकर्मा और आरक्षक प्रफुल की टीम गठित कर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखना शुरू किये। फुटेज से पता चला कि जेसीबी चोरी में 2 आरोपी शामिल थे, उनके जाने का रूट ट्रेस किया गया और 2 दिन की तलाश के बाद मकला फंटे से चोरी में शामिल शिवा पिता कृष्ण कमल पांडे 20 साल निवासी वार्ड 14 सरई, जिला सिंगरौली और डालचंद पिता सुरेशप्रसाद विश्वकर्मा 24 साल निवासी भादाबर, थाना बड़वारा जिला कटनी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर 25 लाख कीमत की जेसीबी बरामद की गई और बुधवार दोपहर कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिये एक दिन की रिमांड पर लिया गया।

रक्षाबंधन अवकाश का उठाया फायदा

पुलिस पूछताछ में पता चला कि शिवा पूर्व में हाईवे प्रोजेक्ट कंपनी में काम कर चुका था। काम छोड़ने के बाद उसे साइड की पूरी जानकारी थी। पूछताछ में उसने बताया कि उसे पता था कि रक्षाबंधन होने पर सभी मजदूर अपने घर चले गये थे। निर्माण कार्य पर सन्नाटा था, इसी का फायदा उठाकर उसने साथी के साथ जेसीबी चोरी को अंजाम दिया था। थाना प्रभारी के अनुसार शिवा के खिलाफ पूर्व में भी सिंगरौली में जेसीबी चोरी का मामला दर्ज होना सामने आया है।

आजीवन सलाखों में रहेगें दोहरे हत्याकांड के 9 आरोपी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

खेत हांक रहे 2 बुजुर्गो की जमीन विवाद में तलवार-डंडे से हमला कर हत्या करने वाले 9 आरोपियों को न्यायालय ने आजीवन सलाखों में रखने की सजा सुनाई है। सभी आरोपियों को अर्थदंड से दंडित किया गया है।

मीडिया सेल प्रभारी कुलदीपसिंह भदौरिया ने बताया कि माकड़ोन थाना क्षेत्र के ग्राम बेरछी में 10 जुलाई 2018 को तराना के रहने वाले निर्भयसिंह, अनोखीलाल, भगवान सिंह और दिनेश ग्राम बेरछी में अपना खेत हांकने के लिए पहुंचे थे। ट्रेक्टर से खेत हांकने का काम किया जा रहा था। उसी दौरान जमीन विवाद को लेकर शंकर पिता बापू जाट, रतन पिता बापू जाट, राजमल पिता बापू जाट, सिद्धनाथ पिता राजमल, दिनेश पिता राजमल, रामदयाल पिता शंकर जाट निवासी ग्राम बेरछी माकडोन, मोडसिंह पिता रघु और उसके भाई प्रताप जाट निवासीगण भडसिंबा कायथा और सीताराम पिता प्रभुदयाल निवासी सुवागांव माकडोन ने एकमत होकर तलवार, डंडे से हमला कर दिया था। मौके पर निर्भयसिंह की मौत हो गई थी। अनोखीलाल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था। दोहरा हत्याकांड होने पर माकड़ोन पुलिस ने घायल हुए दिनेश की शिकायत पर सभी हमलावरों के खिलाफ धारा हत्या की धारा 302 और बलवे की धारा 147, 148, 149 भादवि का प्रकरण दर्ज किया था। आरोपियों की गिरफ्तार कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। 8 साल तक चली सुनवाई के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रेम साहू ने सभी आरोपियों को जघन्य हत्या का दोषी करार हुए आजीवन जेल की सलाखों में रखने की सजा सुनाई।

रात 10 बजे तक चामुंडा चौराहा पार करने वाली झांकियों को मिलेगा 5 हजार का इनाम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

जल झूलनी ग्यारस पर 22 सितंबर को बैरवा समाज द्वारा निकाले जाने वाले फूलडोल चल समारोह को समय पर निकालने के लिए खास पहल की गई है। इसके तहत रात 10 बजे तक चामुंडा चौराहा पार करने वाली झांकियों को अखिल भारतीय बैरवा महासभा की प्रदेश इकाई की ओर से 5000 रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

महासभा के प्रवक्ता लालचंद भारती ने बताया कि बुधवार को किशनपुरा स्थित सकल बैरवा पंचायत में अध्यक्ष बाबूलाल गोठवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें 18 मोहल्लों के झांकी निमार्ता, अखाड़ों के खलीफा और रास मंडली के सदस्य शामिल हुए। समाजजनों ने निर्णय लिया कि सभी झांकियां और अखाड़े रात 9 बजे तक घंटाघर पहुंच जाएं और 10 बजे तक चामुंडा चौराहा पार कर लें, ताकि शहर के लोग आसानी से डोल का पूजन-अर्चन कर सकें। इस दौरान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश जारवल और शहर अध्यक्ष सुरेंद्र मरमट ने समय सीमा का पालन करने वाली झांकियों को महासभा की ओर से 5000 रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की।

प्रसाद नहीं लेने पर हुआ था विवाद, नाबालिग भी हिरासत में

श्रद्धालु परिवार से मारपीट करने वाले का निकाला जुलूस

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

महाकालेश्वर मंदिर जाने से पहले फूल-प्रसाद नहीं लेने पर बुधवार सुबह श्रद्धालु परिवार के साथ मारपीट करने वाले दुकानदार और उसके नाबालिग साथी को कुछ घंटे बाद गिरफ्तार कर लिया गया। मुख्य आरोपी का पुलिस दोपहर में जुलूस निकाला और कोर्ट में पेश किया।

दिल्ली के मुबारकपुर स्थित शेरसिंह बाजार कोटला से योगेश पिता ओमप्रकाश साहू अपनी गर्भवती पत्नी नेहा कुमारी और परिवार के चार सदस्य आशादेवी, अंकिता, अंजली और आरव के साथ बाबा महाकालेश्वर के दर्शन करने उज्जैन पहुंचे थे। सुबह मंदिर जाते समय भारत माता मंदिर के पास से गुजरते समय उसे फूल प्रसाद बेचने वाले ने रोक लिया और प्रसाद की टोकरी लेने के लिये कहा। उसने श्रद्धालु परिवार से सामान भी सुरक्षित उसकी दुकान पर रखने की बात कहीं। योगेश साहू ने सौ रुपए देकर एक टोकरी फूल-प्रसाद की ली और जाने लगे। तभी दुकान पर काम करने वाले दूसरे युवक ने कहा कि आपके साथ 6 लोग है, आपको फूल-प्रसाद की 350 रुपए वाली 2 टोकरी लेना होगी। योगेश ने ज्यादा कीमत और 2 टोकरी लेने से मना कर दिया। जिस पर दुकानदार और उसके साथी ने गाली-गलौच शुरू कर दी, दुकान पर रखे सूटकेश भी रास्ते में पटक दिये। योगेश ने विरोध किया तो दोनों ने मारपीट शुरू कर दी। गर्भवती पत्नी बीच-बचाव में आई तो धक्का दे दिया। विवाद बढ़ता देख लोगों ने बीच-बचाव किया। साहू परिवार मामले की शिकायत लेकर महाकाल थाने पहुंचा। थाना प्रभारी गगन बादल ने श्रद्धालु परिवार के साथ हुई मारपीट का मामला दर्ज किया और आरोपियों की तलाश में टीम रवाना की। कुछ देर बाद दुकानदार सोनू बंजारा और उसके नाबालिग साथी को हिरासत में ले लिया गया। दोपहर में मारपीट के मुख्य आरोपी सोनू बंजारा को उसकी दुकान के सामने जुलूस निकाला। एएसआई शंकरलाल कनौजिया ने बताया कि सभी दुकानदारों को हिदायत दी गई कि श्रद्धालुओं के साथ अमानवीय व्यवहार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। सोनू बंजारा आगर नाके का रहने वाला है। जिसे कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया है। बताया जा रहा था कि योगेश साहू दिल्ली गृह मंत्रालय में आकाउंटेंट है और उनकी पत्नी साईंटिस्ट है। परिवार पहली बार महाकाल दर्शन करने उज्जैन आया था।

गुंडे-बदमाशों को किया चैक, संदिग्धों की हुई धरपकड़

कॉबिंग गश्त के बाद 355 वारंटियों से भरी लॉकअप

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

अपराधियों पर अंकुश लगाने और फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिये मंगलवार-बुधवार रात की गई कॉबिंग गश्त के बाद सुबह जिले के हर थानों की लॉकअप भरी दिखाई दी। रातभर में 355 वारंटियों को पकड़ा गया।

एसपी प्रदीप शर्मा के निर्देश पर जिले का पुलिस बल रात 11 बजे कॉबिंग गश्त पर निकला था। सुबह 4 बजे तक चली गश्त के दौरान पुलिस ने 215 गिरफ्तार वारंटी और 140 स्थायी वारंटियों को पकड़ा। जो लम्बे समय से कोर्ट पेशी पर उपस्थित नहीं हो रहे थे। न्यायालय ने उनके खिलाफ वारंट जारी किये थे। रात में हुई कार्रवाई के बाद सुबह हर थाने की लॉकअप भरी दिखाई दे रही थी। 11 बजे बाद सभी को मेडिकल परीक्षण के लिये शासकीय अस्पताल लाया गया और संबंधित कोर्ट में पेश किया गया। कॉबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र के जिलाबदर बदमाशों गुंडो और हिस्ट्रीशिटर बदमाशों को चैक किया। एक वसूली वारंटी भी पकड़ा गया। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जिले में कानून व्यवस्था को बनाये रखने के साथ आमजन में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करने के लिये पुलिस द्वारा समय-समय पर कॉबिंग गश्त के साथ बदमाशों पर सख्त कार्रवाई का अभियान चलाया जाता है। आगे भी इसी तरह की कार्रवाई को जारी रखा जायेगा।

बदमाशों में दिखा पुलिस का खौफ

सावन माह समाप्त होने के बाद पुलिस ने मैदान संभाल लिया है। पिछले चार दिनों से पूरे जिले में सख्त चैकिंग अभियान, बदमाशों का जुलूस, चाकूबाजों की धरपकड़ के साथ ही जिले में रात 11 बजे बाद बाजार बंद करने का अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस को एक्शन में देख बदमाशों में खौफ दिखाई देने लगा है। रात 12 बजे शहर की सड़कों पर सन्नाटा दिखाई दे रहा है और आमजन खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है।

प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के 15 मामले

कॉबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने संदिग्धों की धरपकड़ जारी रखी थी, इस दौरान 15 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। एक आरोपी अवैध शराब के साथ हिरासत में आया, वहीं 2 बदमाशों के पास तलाशी के दौरान चाकू मिलने पर आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया। गश्त में 21 चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की कार्रवाई की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com